मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 228
बुधवार, 04 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था ही दुनिया की आशा है: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 03 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और उद्योग जगत के नेताओं से भारत की निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए अधिक निर्माण, उत्पादन और संपर्क स्थापित करने की रणनीति को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आर्थिक विकास को बनाए रखना और मजबूत करना विषय पर आयोजित बजट पश्चात वेबिनार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के आर्थिक स्तंभ, विनिर्माण, रसद और एमएसएमई, आपस में जुड़े हुए हैं।

मोदी ने कहा कि हमारी दिशा और संकल्प स्पष्ट हैं। अधिक निर्माण करें, अधिक उत्पादन करें, अधिक संपर्क स्थापित करें और अब हमें अधिक निर्यात करने की आवश्यकता है। यह निश्चित है कि आज आप सभी जो सुझाव देंगे, वे इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आप सभी जानते हैं कि विनिर्माण, रसद, एमएसएमई... अर्थव्यवस्था के स्तंभ हैं। ये सभी आपस में जुड़े हुए हैं। इस प्रकार का मजबूत विनिर्माण नए अवसर पैदा करता है। उन्होंने कहा कि मजबूत विनिर्माण इन सभी क्षेत्रों में नए अवसर पैदा करता है। मोदी ने कहा कि हमें इन जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल उत्पाद बनाने होंगे; तभी हम इन अवसरों का लाभ उठा पाएंगे। और अब मुक्त व्यापार समझौता लागू हो चुका है, विकास का यह राजमार्ग आपके लिए तैयार है। आज भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था ही दुनिया की आशा है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेज आर्थिक प्रगति एक विकसित भारत की प्रमुख नींव है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बारे में बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि, अब हमें अनुसंधान में भारी निवेश करना होगा और वैश्विक मानकों के अनुरूप गुणवत्ता

सुनिश्चित करनी होगी। भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों के माध्यम से हमारे लिए अवसरों के विशाल द्वार खुल गए हैं, जिससे गुणवत्ता से कभी समझौता न करना हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी बन जाती है। उन्होंने कहा कि हमारे उत्पादों की गुणवत्ता न केवल वैश्विक मानक के अनुरूप होनी चाहिए, बल्कि उससे भी आगे निकल जानी चाहिए। उन्होंने उद्योगों को सलाह दी कि वे उत्पाद बनाने के लिए ₹अन्य देशों की जरूरतों और वहां के लोगों की अपेक्षाओं का अध्ययन और अनुसंधान करें। बजट के विशिष्ट प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने बायोफार्मा शक्ति मिशन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बायोफार्मा शक्ति मिशन की घोषणा बजट में भी की गई है। इस मिशन का उद्देश्य भारत को बायोलॉजिक्स और अगली पीढ़ी की चिकित्साओं का वैश्विक केंद्र बनाना है। हम उन्नत बायोफार्मा अनुसंधान और विनिर्माण में अग्रणी बनना चाहते हैं। आज, दुनिया भरोसेमंद और मजबूत विनिर्माण साझेदारों की तलाश में है। उन्होंने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के वर्तमान पुनर्गठन को भारत के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। प्रधानमंत्री ने जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिए उद्योग, वित्तीय संस्थानों और राज्य सरकारों के बीच सहयोगात्मक प्रयास का आह्वान किया। मोदी ने कहा कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिए उद्योग, वित्तीय संस्थानों और राज्य सरकारों को मिलकर काम करना होगा। मैं आप सभी से अपेक्षा करता हूं कि आप उत्पादन और विनिर्माण बढ़ाने, लागत संरचना को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने, निवेश प्रवाह को तेज करने और भारत के सुदूरतम क्षेत्रों को विकसित करने जैसे विषयों को प्राथमिकता दें। इन सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने में आपके सुझाव अत्यंत महत्वपूर्ण होंगे।

ईरान पर इजराइल का बड़ा हवाई हमला: तेहरान के मेहराबाद एयरपोर्ट पर स्ट्राइक, बुशेहर में विमान नष्ट

ईरान, 03 मार्च। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच इजरायल ने ईरान पर बड़ा हवाई हमला किया है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, इजरायली सेना ने राजधानी तेहरान के मेहराबाद एयरपोर्ट को निशाना बनाया। यह हमला तब किया गया जब पहले से वहां के आसपास के इलाकों के लिए निकासी की चेतावनी जारी की गई थी।

इजरायल ने सिर्फ तेहरान ही नहीं, बल्कि ईरान के दक्षिणी बंदरगाह शहर बुशेहर के एक अन्य एयरपोर्ट को भी निशाना बनाया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में जमीन पर खड़ा एक ईरानी यात्री विमान पूरी तरह नष्ट हो गया। बताया जा रहा है कि विमान उड़ान भरने की स्थिति में नहीं था और रनवे पर ही मौजूद था, तभी उस पर हमला हुआ।

सूत्रों के अनुसार, इजरायल ने हमले से पहले आसपास के इलाकों को खाली करने की चेतावनी जारी की थी। इसके बाद एयरपोर्ट परिसर में धमाके हुए। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव पहले से ही चरम पर है। इजरायल द्वारा ईरान के अहम हवाई अड्डों को निशाना बनाए जाने से हालात और बिगड़ सकते हैं। मेहराबाद एयरपोर्ट ईरान का एक महत्वपूर्ण घरेलू और सैन्य उपयोग वाला एयरपोर्ट माना जाता है, जबकि बुशेहर क्षेत्र सामरिक रूप से संवेदनशील है।

इजराइल-ईरान संघर्ष पर उमर अब्दुल्ला की अपील, जम्मू-कश्मीर का माहौल बिगड़ने न दें

कश्मीर, 03 मार्च। इजराइल-ईरान संघर्ष पर जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि ईरान में किस तरह की सरकार बनेगी, यह तय करना ईरान की जनता पर निर्भर है। कोई भी अंतरराष्ट्रीय कानून बाहरी बमबारी के जरिए सत्ता परिवर्तन की अनुमति नहीं देता। सबसे पहले, ईरान के सर्वोच्च नेता और उनके परिवार की जिस बेरहमी से हत्या की गई, वह देखिए। किस कानून ने अमेरिका या इजराइल को ऐसा करने की इजाजत दी?... सबसे पहले, मैं ईरान की जनता के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और उस हमले की निंदा करता हूं। लेकिन साथ ही, मैं जम्मू और कश्मीर के लोगों से अपील करता हूं कि वे स्थिति को बिगड़ने न दें। कुछ लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि धार्मिक नेताओं से अनुरोध है कि वे अपना दुख व्यक्त करें, लेकिन कानून को अपने हाथ में न लें... हम विदेश मंत्रालय के संपर्क में हैं। ईरान में मौजूद हमारे छात्रों और अन्य लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कुछ छात्रों को बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। मैं उनसे दूतावास द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह करूंगा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को यहां शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक में केंद्र शासित प्रदेश के सुरक्षा हालात की समीक्षा की। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उपराज्यपाल ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में मौजूदा सुरक्षा हालात पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के खिलाफ कश्मीर और जम्मू के कुछ हिस्सों में व्यापक प्रदर्शनों के मद्देनजर यह बैठक बुलाई गई। यहां लोक भवन में हुई बैठक में उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा, पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव और मेजर जनरल बलबीर सिंह शामिल हुए।

विदेश नीति पर घिरी केंद्र सरकार, सोनिया गांधी और राहुल ने पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 03 मार्च। ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या और पश्चिम एशिया में तेजी से बिगड़ते हालात को लेकर कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। दोनों ने कहा है कि यह समय चुप्पी का नहीं, बल्कि स्पष्ट और नैतिक रुख अपनाने का है। हम आपको बता दें कि सोनिया गांधी ने एक अंग्रेजी समाचार पत्र में लिखे आलेख के माध्यम से और राहुल गांधी ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मोदी सरकार की विदेश नीति पर कई गंभीर सवाल उठाए हैं।

सोनिया गांधी के आलेख का जिक्र करें तो आपको बता दें कि उन्होंने लिखा है कि 1 मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की अमेरिका और इजराइल द्वारा किए गए लक्षित हमलों में हत्या कर दी गई। किसी संप्रभु राष्ट्र के वर्तमान प्रमुख की, वह भी चल रही कूटनीतिक वार्ताओं के बीच, इस प्रकार हत्या अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए गंभीर झटका है। सोनिया गांधी ने इसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का खतरनाक क्षरण बताया है। भारत की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि भारत सरकार ने न तो इस हत्या की स्पष्ट शब्दों में निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर ठोस प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रारंभिक बयान में ईरान की जवाबी कार्रवाई की आलोचना तो की, लेकिन उससे पहले हुए हमलों पर सीधी टिप्पणी से परहेज किया। उनके अनुसार, जब

किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की लक्षित हत्या पर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से स्पष्ट और सिद्धांत आधारित प्रतिक्रिया नहीं आती, तो यह हमारी विदेश नीति की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह लगाता है।

उन्होंने लिखा है कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) के तहत किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता और राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बल प्रयोग वर्जित है। ऐसे में बिना युद्ध की घोषणा और कूटनीतिक प्रक्रिया के दौरान की गई यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून की भावना के विपरीत मानी जा रही है। वहीं राहुल गांधी ने भी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ती शत्रुता एक पहले से ही नाजुक क्षेत्र को व्यापक संघर्ष की ओर धकेल रही है। उन्होंने कहा, करोड़ों लोग, जिनमें लगभग एक करोड़ भारतीय भी शामिल हैं, अनिश्चितता और असुरक्षा का सामना कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा कि सुरक्षा चिंताएँ वास्तविक हो सकती हैं, लेकिन संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले हमले संकट को और गहरा करते हैं। उन्होंने अमेरिका-इजराइल के ईरान पर हमलों और ईरान द्वारा अन्य मध्य-पूर्वी देशों पर किए गए हमलों की निंदा की। उनका कहना था, हिंसा से हिंसा ही जन्म लेती है। संवाद और संयम ही शांति का एकमात्र रास्ता है।" उन्होंने प्रधानमंत्री से सीधे सवाल किया कि क्या वे एक राष्ट्राध्यक्ष की हत्या को विश्व व्यवस्था तय करने का तरीका मानते हैं?

शराब पीकर गाड़ी चलाई तो 3 महीने के लिए लाइसेंस सस्पेंड: दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, 03 मार्च। दिल्ली यातायात पुलिस होली के दिन बुधवार को शहर भर के लगभग 134 प्रमुख चौराहों पर कर्मियों को तैनात करेगी और शराब पीकर गाड़ी चलाने के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा नियमों के गंभीर उल्लंघन के मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस भी निलंबित किया जा सकता है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने एक विस्तृत यातायात परामर्श जारी करते हुए कहा कि शराब पीकर गाड़ी चलाने, तेज गति से गाड़ी चलाने, लापरवाही से और टेढ़ी-मेढ़ी दिशा में गाड़ी चलाने, लाल बत्ती पार करने, तीन लोगों को बैठाकर दो पहिया वाहन चलाने, बिना हेलमेट के वाहन चलाने और दोपहिया वाहनों से स्टंट करने जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए प्रमुख चौराहों और संवेदनशील रास्तों पर विशेष जांच दल तैनात किए जाएंगे। परामर्श में कहा गया है कि सड़क सुरक्षा पर उच्चतम न्यायालय की समिति के निर्देशों के अनुसार, शराब पीकर गाड़ी चलाने, लाल बत्ती का उल्लंघन करने, गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने, खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने और तेज गति से गाड़ी चलाने के मामलों में, संबंधित व्यक्ति का ड्राइविंग लाइसेंस जब्त कर लिया जाएगा और कम से कम तीन महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है। यदि वाहनों को नाबालिगों या अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा चलाया जाता हुआ पाया जाता है, तो गाड़ी के पंजीकृत मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

पीएम मोदी ने कतर के अमीर शेख तमीम से फोन पर की बात, सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ दिखाई एकजुटता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से बात की और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान उनके देश पर हुए हमलों को लेकर चिंता जतायी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। टेलीफोन पर हुई बातचीत में, प्रधानमंत्री मोदी ने इन नेताओं से वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों के कल्याण और सुरक्षा पर भी चर्चा की। एक अधिकारी ने बताया, "प्रधानमंत्री ने मंगलवार दोपहर बाद खाड़ी क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण नेताओं से बातचीत की। उन्होंने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से फोन पर बातचीत की।

सूचना

होली की सभी देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं होली के शुभअवसर पर उत्तरशक्ति प्रेस दिंनाक 4-5 मार्च को बंद रहेगा अगला अंक 7 मार्च को प्रकाशित होगा।

– संपादक

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

राष्ट्रीय पुत्र दिवस: 4 मार्च, 2026

आधुनिक संदर्भों पिता-पुत्र संस्कृति को नया आयाम दे

-ललित गर्ग

राष्ट्रीय पुत्र दिवस, जो प्रतिवर्ष 4 मार्च को मनाया जाता है, केवल एक पिता-पुत्र संस्कृति को जीवंतता देने का ही उत्सव नहीं है, बल्कि भारतीय परिवार व्यवस्था की आत्मा को स्पर्श करने वाला अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि पुत्र केवल परिवार की वंश परंपरा का वाहक नहीं, बल्कि संस्कारों, उत्तरदायित्वों और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतिनिधि है। आधुनिक समय में जब संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद कम हो रहा है और विशेष रूप से पिता और पुत्र के बीच मानसिक दूरी बढ़ती जा रही है, तब यह दिवस एक गहन आत्ममंथन का अवसर बन जाता है। भारतीय चिंतन में पुत्र का अर्थ केवल जन्म से जुड़ा नहीं है। शास्त्रों में कहा गया है-ह्लपुंनाम्नो नरकाद् यः त्रायते सः पुत्रःह्व अर्थात जो कुल और संस्कृति को पतन से बचाए वही सच्चा पुत्र है। इस परिभाषा में पुत्र को एक उत्तरदायी व्यक्तित्व के रूप में देखा गया है, जो अपने आचरण से परिवार की मयार्दा और मूल्यों की रक्षा करता है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जिन्होंने पुत्र धर्म को सर्वोच्च आदर्श के रूप में स्थापित किया। भगवान श्रीराम का जीवन इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। जब राजा दशरथ ने परिस्थितिवश उन्हें चौदह वर्ष का वनवास दिया, तब श्रीराम ने बिना किसी विरोध, बिना किसी आक्रोश के पिता की आज्ञा को धर्म मानकर स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि परिवार और वचन की मयार्दा को सर्वोपरि रखने का संदेश था। श्रीराम ने यह सिद्ध किया कि अधिकारों से पहले कर्तव्य आते हैं और व्यक्तिगत सुख से ऊपर परिवार की प्रतिष्ठा होती है। आज का युग अधिकारों की चर्चा करता है, परंतु कर्तव्यों का स्मरण कम होता है। यही कारण है कि

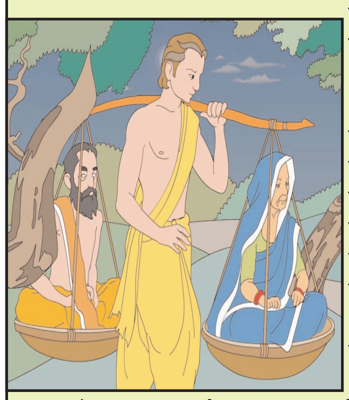

पिता-पुत्र संबंधों में संवाद का अभाव दिखाई देता है। पिता अक्सर अपने उत्तरदायित्वों की दौड़ में व्यस्त है और पुत्र प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के दबाव में उलझा हुआ है। दोनों के बीच भावनाओं का पुल कमजोर होता जा रहा है। ऐसे में राष्ट्रीय पुत्र दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम इस दूरी को कम करें। पुत्र को केवल आर्थिक साधन या भौतिक सुविधाएँ नहीं चाहिए, उसे चाहिए समय, स्नेह और समझ। जब पिता अपने पुत्र के साथ बैठकर उसके सपनों, उसके डर, उसकी असफलताओं और उसकी आकांक्षाओं पर खुलकर बात करता है, तब संबंधों में विश्वास का संचार होता है। यही विश्वास भविष्य की मजबूत नींव बनता है।

आधुनिक संदर्भ में पुत्र के सामने चुनौतियाँ भी नई हैं। करियर की अनिश्चितता, सोशल मीडिया का प्रभाव, मानसिक तनाव और मूल्य भ्रम उसे अक्सर द्वंद्व में डाल देते हैं। समाज ने लड़कों से अपेक्षा की है कि वे कठोर बनें, अपनी भावनाएँ न प्रकट करें, हर परिस्थिति में मजबूत दिखें। परिणामस्वरूप कई बार वे भीतर से अकेले और दबावग्रस्त हो जाते हैं। राष्ट्रीय पुत्र दिवस इस मानसिक स्वास्थ्य के विषय को भी छूता है। यह माता-पिता को प्रेरित करता है कि वे अपने पुत्र से पूछें-ह्लतुम सच में कैसा महसूस कर रहे हो?ह्व यह एक साधारण प्रश्न नहीं, बल्कि संवेदनशीलता की शुरूआत है। जब पुत्र को यह अनुभव होता है कि वह सुना जा रहा है, समझा जा रहा है, तब उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। भारतीय संस्कृति में पिता केवल अनुशासन का प्रतीक नहीं, बल्कि आदर्श का आधार रहा है। पुत्र वही सीखता है जो वह अपने पिता के आचरण में देखता है। यदि पिता सत्यनिष्ठ है, तो पुत्र में भी सत्य के प्रति सम्मान विकसित होगा। यदि पिता संयमी और धैर्यवान है, तो पुत्र भी वही गुण आत्मसात करेगा। इसलिए पिता की भूमिका केवल निर्देश देने की नहीं, बल्कि उदाहरण प्रस्तुत करने की है। श्रीराम ने केवल दशरथ की आज्ञा का पालन नहीं किया, बल्कि रघुकुल की उस परंपरा को जीवित रखा जिसमें वचन और मयार्दा सर्वोपरि मानी जाती थी। यह परंपरा केवल अतीत की कहानी नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता है।

भारतीय लोक-स्मृति में श्रवण कुमार पुत्र धर्म के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं। उन्होंने अपने नेत्रहीन माता-पिता को कंधों पर बिठाकर तीर्थयात्रा कराते हुए यह सिद्ध किया कि सेवा केवल कर्तव्य नहीं, प्रेम का उत्कर्ष है। आधुनिक युग में यद्यपि परिस्थितियाँ बदल गई हैं, जीवन की गति तेज हो गई है और करियर की चुनौतियाँ अधिक जटिल हो गई हैं, फिर भी श्रवण का आदर्श अप्रासंगिक नहीं हुआ; बल्कि वह और अधिक आवश्यक हो गया है। आज के पुत्र का दायित्व है कि वह माता-पिता के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा रहे, उनसे संवाद बनाए रखे और उनकी आवश्यकताओं को समझे। सेवा का अर्थ अब केवल शारीरिक श्रम नहीं, बल्कि समय देना, उनकी बात सुनना, उनके एकाकीपन को समझना और उनके आत्मसम्मान की रक्षा करना है। भौतिक आकांक्षाओं की अंधी दौड़ में यदि माता-पिता उपेक्षित हो जाएँ, तो सफलता खोखली हो जाती है। त्याग का अर्थ यह नहीं कि करियर छोड़ दिया जाए, बल्कि यह है कि प्राथमिकताओं में परिवार को स्थान दिया जाए-व्यस्त दिनचर्या में भी नियमित संवाद, स्वास्थ्य का ध्यान, आवश्यक सहयोग और निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। आधुनिक पुत्र अपने पेशेवर जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए भी पारिवारिक जिम्मेदारियों का संतुलित निर्वाह कर सकता है, यदि वह अपने भीतर यह भाव जागृत रखे कि माता-पिता उसके अस्तित्व की जड़ हैं। जब करियर और कर्तव्य के बीच संतुलन स्थापित होता है, तब श्रवण की सेवा-भावना आधुनिक जीवन में जीवंत हो उठती है और पुत्र धर्म केवल कथा नहीं, व्यवहार बन जाता है।

पुत्र की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आधुनिक स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि वह परिवार से विमुख हो जाए। सच्ची स्वतंत्रता वही है जिसमें व्यक्ति अपनी जड़ों से जुड़ा रहे और अपने मूल्यों का सम्मान करे। पुत्र यदि अपने करियर में सफल होता है परंतु परिवार से दूर हो जाता है, तो वह सफलता अधूरी रह जाती है। परिवार की शक्ति केवल आर्थिक समृद्धि में नहीं, बल्कि भावनात्मक एकता में है। जब पुत्र अपने माता-पिता के त्याग और संघर्ष को समझता है, उनका सम्मान करता है और वृद्धावस्था में उनका सहारा बनता है, तब वह पुत्र धर्म का वास्तविक निर्वाह करता है। पुत्र केवल परिवार की आशा नहीं, राष्ट्र की संभावना भी है। इतिहास गवाह है कि जब-जब युवाओं ने अपने कर्तव्यों को पहचाना, तब-तब समाज में परिवर्तन आया। आज आवश्यकता है कि पुत्र संस्कृति को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा जाए। एक संस्कारवान पुत्र ही आदर्श नागरिक बन सकता है। यदि परिवार में सत्य, सेवा और संयम के मूल्य विकसित होंगे, तो वही मूल्य समाज में भी प्रसारित होंगे। इस प्रकार पुत्र का निर्माण केवल निजी विषय नहीं, सामाजिक उत्तरदायित्व भी है।

आज जब वैश्वीकरण और भौतिकता का प्रभाव बढ़ रहा है, तब परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन आवश्यक है। पुत्र को आधुनिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और वैश्विक दृष्टि मिलनी चाहिए, परंतु उसके भीतर भारतीयता की जड़ें भी गहरी हों। यदि वह विज्ञान में आगे बढ़े परंतु संस्कृति से कट जाए, तो विकास अधूरा रहेगा। यदि वह परंपरा में बंधा रहे और नवीनता को अस्वीकार करे, तो प्रगति रुक जाएगी। इसलिए संतुलन ही समाधान है। यही संतुलन पुत्र संस्कृति को नया आयाम दे सकता है। राष्ट्रीय पुत्र दिवस को संवाद और संकल्प का दिवस बनाएं। जब पिता का अनुभव और पुत्र का उत्साह मिलते हैं, तब परिवार सशक्त होता है। सशक्त परिवार ही सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। हम अपने पुत्रों को केवल सफल नहीं, सार्थक बनाएं। उन्हें केवल ऊँचाई न दें, गहराई भी दें, केवल स्वतंत्रता न दें, उत्तरदायित्व भी दें, केवल संसाधन न दें, संस्कार भी दें। यदि हम श्रीराम की मयार्दा, श्रवण की सेवा भावना और आधुनिक युग की वैज्ञानिक दृष्टि को एक सूत्र में पिरो दें, तो ऐसा पुत्र तैयार होगा जो परंपरा का रक्षक और भविष्य का निमार्ता दोनों होगा। यही पुत्र संस्कृति का नवोदय है, यही भारतीय परिवार व्यवस्था की शक्ति है और यही राष्ट्रीय पुत्र दिवस का सच्चा संदेश है।

जो गांव से चला, गांव के लिए जिया—जनता का नेता

-प्रियंका सौरभ

रणबीर सिंह गंगवा हरियाणा की राजनीति में एक ऐसे नेता हैं, जिनकी पहचान शोर से नहीं, काम से बनी है। गांव की मिट्टी से उठकर उन्होंने जनसेवा को अपना मूल मंत्र बनाया। जिला परिषद से लेकर कैबिनेट मंत्री तक का उनका सफर निरंतर संघर्ष, संगठनात्मक निष्ठा और जनविश्वास की कहानी है। लोक निर्माण विभाग और सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मंत्री के रूप में उनका फोकस साफ है—बेहतर सड़कें, स्वच्छ पेयजल और पारदर्शी व्यवस्था। वे मानते हैं कि मजबूत गांव ही मजबूत हरियाणा की नींव हैं। इसी सोच के साथ वे सड़कों के विस्तार, जलापूर्ति और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दे रहे हैं। सादगी, स्वच्छ छवि और जमीनी जुड़ाव उनकी सबसे बड़ी ताकत है। पिछड़े वर्गों, किसानों और गरीबों की आवाज बनकर रणबीर गंगवा ने साबित किया है कि राजनीति अगर ईमानदारी और सेवा भाव से की जाए, तो बदलाव जमीनी स्तर पर दिखता है।

रणबीर सिंह गंगवा हरियाणा की राजनीति में उन चुनिंदा नेताओं में गिने जाते हैं, जिन्होंने ग्रामीण पृष्ठभूमि से उठकर निरंतर संघर्ष, संगठनात्मक निष्ठा और जनसेवा के बल पर कैबिनेट मंत्री तक का सफर तय किया। वे आज हरियाणा सरकार में लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कैबिनेट मंत्री हैं और नायब सिंह सैनी मंत्रिमंडल में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका जीवन पिछड़े वर्गों, किसानों और ग्रामीण समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

रणबीर सिंह गंगवा का जन्म 4 मार्च 1964 को हरियाणा के हिसार जिले के गंगवा गांव में कुम्हार (प्रजापति) परिवार में हुआ। उनके पिता राजाराम और माता केसर देवी साधारण ग्रामीण जीवन से जुड़े थे। सीमित संसाधनों के बीच पले-बढ़े गंगवा ने उच्च माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की और प्रारंभ से ही सामाजिक कार्यों में रुचि दिखाई। ग्रामीण परिवेश में रहते हुए उन्होंने किसानों, मजदूरों और पिछड़े वर्गों की समस्याओं को नजदीक से समझा, जिसने आगे चलकर उनकी राजनीति की दिशा तय की।

उनका पहला औपचारिक चुनाव जिला परिषद का था। वर्ष 2000 में उन्होंने हिसार जिला परिषद का चुनाव लड़ा, जहां उन्हें प्रारंभिक पराजय का सामना करना पड़ा। लेकिन इस हार ने उन्हें और मजबूत बनाया। 2005 में वे दोबारा चुनाव जीतकर जिला परिषद सदस्य बने और बाद में उपाध्यक्ष पद तक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण सड़कों, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। यही कालखंड उनके राजनीतिक जीवन की मजबूत नींव बना।

2009 में उन्होंने नलवा विधानसभा क्षेत्र से इंडियन नेशनल लोकदल के टिकट पर चुनाव लड़ा। इस चुनाव में उन्हें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संपत सिंह से हार का सामना करना पड़ा, किंतु उनका राजनीतिक प्रभाव बना रहा। 2010 में उन्हें इंडियन नेशनल लोकदल की ओर से राज्यसभा भेजा गया। राज्यसभा सदस्य के रूप में उन्होंने हरियाणा के ग्रामीण और पिछड़े वर्गों से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया और अपनी सक्रियता से पहचान बनाई।

2014 में वे नलवा विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए। इस चुनाव में उन्होंने संपत सिंह और पूर्व उपमुख्यमंत्री चंद्रमोहन जैसे दिग्गज नेताओं को पराजित किया। विधायक के रूप में उन्होंने क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दी और जनता से निरंतर संवाद बनाए रखा।

2019 में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा और नलवा से पुनः जीत दर्ज की। विधानसभा में उन्हें उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर) की जिम्मेदारी सौंपी गई, जहां उन्होंने सदन की कार्यवाही को सुचारू और मर्यादित ढंग से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें बरवाला विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया। यह राजनीतिक रूप से एक नई चुनौती थी, लेकिन रणबीर गंगवा ने इसे अवसर में बदल दिया। उन्होंने बरवाला से ऐतिहासिक जीत दर्ज कर पहली बार वहां भाजपा को विजय दिलाई। इसी जीत के बाद उन्हें नायब सैनी मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री के रूप में शामिल किया गया। लगभग 34 वर्षों के राजनीतिक संघर्ष का यह महत्वपूर्ण पड़ाव था।

कैबिनेट मंत्री बनने के बाद रणबीर गंगवा को लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) और सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य विभाग को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। हरियाणा में लगभग 30,664 किलोमीटर लंबी सड़कों का नेटवर्क पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत आता है। वर्ष 2025झ26 के लिए 6,500 किलोमीटर सड़कों की नई कार्पेटिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गुणवत्ता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सख्त निगरानी प्रणाली लागू की गई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के तहत उनका फोकस ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति, पाइपलाइन विस्तार और जल संरक्षण योजनाओं पर है। हरियाणा स्वर्ण जयंती महाग्राम योजना के माध्यम से गांवों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। उनका मानना है कि मजबूत गांव ही मजबूत हरियाणा की नींव हैं।

रणबीर गंगवा को पिछड़े वर्गों का सशक्त प्रतिनिधि माना जाता है। प्रजापति समाज में उनकी विशेष पकड़ है और वे ओबीसी समुदाय की आवाज उठाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी सादगी और सहजता उन्हें आम जनता के बीच लोकप्रिय बनाती है। उनकी राजनीति की एक बड़ी विशेषता उनकी स्वच्छ छवि है। 34 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। उनकी घोषित संपत्ति और देनदारियां चुनावी हलफनामों में पारदर्शी रूप से दर्ज हैं, जो उनकी ईमानदारी और जवाबदेही को दर्शाती हैं। रणबीर सिंह गंगवा का जीवन यह संदेश देता है कि निरंतर परिश्रम, जमीनी जुड़ाव और जनसेवा के प्रति समर्पण से व्यक्ति ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। जिला परिषद से लेकर कैबिनेट मंत्री तक का उनका सफर संघर्ष और दृढ़ इच्छाशक्ति की प्रेरक कहानी है। आज वे हरियाणा की राजनीति में एक सक्रिय, जमीनी और विकासोन्मुखी नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं और उनके नेतृत्व में प्रदेश का बुनियादी ढांचा नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

होली, बदलता समाज और मयार्दा की नई परिभाषाएँ

- डॉ. सत्यवान सौरभ

होली केवल एक त्योहार नहीं, भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह रंगों का, उल्लास का, मन की गांठें खोलने का और रिश्तों में जमी धूल झाड़ने का अवसर है। किंतु समय के साथ हर परंपरा नए प्रश्नों के घेरे में आती है। आज जब विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर होली के आयोजन का स्वरूप बदल रहा है, तब समाज का एक वर्ग उत्साहित है तो दूसरा वर्ग चिंतित। यही द्वंद्व इस चर्चा को गंभीर बनाता है।

परंपरागत रूप से होली को पारिवारिक और सामुदायिक दायरे में मनाया जाता रहा है। गाँवों में चौपाल, मोहल्लों में आँगन, घरों की छतें—ये सब उत्सव के स्वाभाविक मंच होते थे। रिश्तों की परिभाषाएँ स्पष्ट थीं; देवर-भाभी की हँसी-ठिठोली, ननद-भाभी की चुहल, मित्रों का रंग-अबीर। इन सबमें एक सांस्कृतिक मयार्दा और सामाजिक संदर्भ निहित रहता था। त्योहार का आनंद सामूहिक था, पर सीमाएँ भी स्पष्ट थीं।

आज दृश्य बदल चुका है। सहशिक्षा वाले विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राएँ साथ पढ़ते हैं, साथ कार्यक्रम आयोजित करते हैं और साथ ही उत्सव भी मनाते हैं। सोशल मीडिया के दौर में उत्सव केवल निजी अनुभव नहीं रह गया, वह सार्वजनिक प्रदर्शन का रूप ले लेता है। रंग, संगीत, नृत्य और भीड़—ये सब मिलकर एक ऐसा माहौल रचते हैं जो पारंपरिक होली से भिन्न दिखाई देता है। यही बदलाव समाज के एक हिस्से को असहज करता है।

मुख्य प्रश्न यह नहीं है कि लड़कियाँ होली क्यों खेल रही हैं या लड़के क्यों साथ हैं। असली प्रश्न यह है कि क्या उत्सव की आड़ में मयार्दा और गरिमा सुरक्षित है? क्या स्वतंत्रता के नाम पर अराजकता को स्थान मिल रहा है? क्या भीड़ के उत्साह में व्यक्तिगत सीमाएँ टूट रही हैं?

यहाँ लड़की और स्त्री के बीच का अंतर भी चर्चा में आता है। समाज अक्सर बेटियों को बचपन से ही मयार्दा का पाठ पढ़ाता है, जबकि बेटों को अधिक खुली छूट मिलती रही है। जब बेटियाँ सार्वजनिक रूप से उत्सव में भाग लेती हैं, तो उसे परंपरा से विचलन मान लिया जाता है। पर क्या यह दृष्टिकोण न्यायसंगत है? यदि शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में समान अवसर स्वीकार हैं, तो सांस्कृतिक आयोजनों में समान भागीदारी क्यों नहीं?

दूसरी ओर, यह भी उतना ही सत्य है कि भीड़ का व्यवहार हमेशा संयमित नहीं होता। होली के अवसर पर छेड़छाड़, जबरदस्ती रंग लगाने, अभद्र टिप्पणियों जैसी घटनाएँ वर्षों से समाज की चिंता का विषय रही हैं। ऐसे में अभिभावकों की आशंका को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। उनकी चिंता केवल परंपरा की रक्षा की नहीं, बल्कि बेटियों की सुरक्षा और गरिमा की भी होती है।

यहाँ सहमति की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आधुनिक समाज में किसी भी सामाजिक संपर्क का आधार स्पष्ट सहमति है। यदि कोई छात्रा या छात्र अपनी इच्छा से, सुरक्षित वातावरण में उत्सव का हिस्सा बनता है, तो उसे केवल इसलिए गलत नहीं ठहराया जा सकता कि वह परंपरागत ढाँचे से अलग है। लेकिन यदि आयोजन में सुरक्षा, निगरानी और स्पष्ट आचार-संहिता का अभाव है, तो चिंता स्वाभाविक है।

विश्वविद्यालय प्रशासन की भूमिका यहाँ निर्णायक हो जाती है। किसी भी सामूहिक आयोजन में सुरक्षा व्यवस्था, शिकायत तंत्र और स्पष्ट दिशा-निर्देश अनिवार्य होने चाहिए। यह सुनिश्चित करना प्रशासन का दायित्व है कि कोई भी छात्र या छात्रा असहज महसूस न करे। ह्लनो मींस नोह्व जैसी स्पष्ट नीति और उसकी सख्ती से पालना उत्सव को स्वस्थ बनाए रख सकती है।

समाज को भी आत्ममंथन की आवश्यकता है। क्या हम बेटियों को केवल घर की मयार्दा से जोड़कर देखते हैं? क्या हम यह मान बैठे हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर उनका सक्रिय होना स्वभावतः अनुचित है? यदि बेटियाँ शिक्षा, खेल, राजनीति और व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, तो सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी उपस्थिति को अलग कसौटी पर क्यों परखा जाए?

परंपरा स्थिर नहीं होती; वह समय के साथ बदलती है। जो आज ह्लनयाह्व प्रतीत हो रहा है, वह कल सामान्य बन सकता है। किंतु परिवर्तन का अर्थ मूल्यों का परित्याग नहीं है। मयार्दा, सम्मान और सुरक्षा—ये मूल्य शाश्वत हैं। प्रश्न यह है कि क्या हम इन मूल्यों को नए परिवेश में लागू करने के लिए तैयार हैं? होली का मूल संदेश सामाजिक भेद मिटाना है। यह वह दिन है जब रंग सबको एक कर देते हैं—जाति, वर्ग, आयु, लिंग के भेद पीछे छूट जाते हैं। यदि हम इस मूल भावना को स्वीकार करते हैं, तो हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि बेटियाँ और बेटे दोनों समान रूप से इस उत्सव का हिस्सा हैं।

फिर भी, उत्सव को प्रदर्शन में बदल देना चिंता का विषय है। सोशल मीडिया पर लाइक और व्यूज की दौड़ में निजी क्षणों का सार्वजनिक प्रदर्शन कई बार गरिमा की सीमा लांघ देता है। युवाओं को यह समझने की आवश्यकता है कि आत्मविश्वास और आत्मप्रदर्शन में अंतर होता है। आनंद का अर्थ यह नहीं कि हर क्षण कैमरे के लिए जिया जाए। अभिभावकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। केवल रोक-टोक समाधान नहीं है। संवाद, विश्वास और जागरूकता अधिक प्रभावी साधन हैं। यदि बेटियों को बचपन से ही आत्मसम्मान, आत्मरक्षा और स्पष्ट सीमाएँ तय करने का संस्कार दिया जाए, तो वे किसी भी वातावरण में स्वयं की गरिमा की रक्षा कर सकती हैं। उसी प्रकार बेटों को भी यह सिखाया जाना चाहिए कि उत्सव का आनंद दूसरों की असुविधा पर आधारित नहीं हो सकता।

समाज को यह स्वीकार करना होगा कि नई पीढ़ी अलग सामाजिक संरचना में जी रही है। सहशिक्षा, डिजिटल मीडिया और वैश्विक प्रभावों ने उनके अनुभवों को व्यापक बना दिया है। ऐसे में पुरानी परिभाषाओं को ज्यों-का-त्यों लागू करना संभव नहीं। परंतु यह भी उतना ही आवश्यक है कि नई पीढ़ी परंपरा की जड़ों से जुड़ी रहे। संतुलन ही समाधान है। न अंधानुकरण, न अंधविरोध। यदि विश्वविद्यालयों में होली का आयोजन होता है, तो उसे सुरक्षित, गरिमापूर्ण और स्वैच्छिक बनाया जाए। यदि कोई छात्र या छात्रा भाग नहीं लेना चाहता, तो उस पर दबाव न डाला जाए। यदि कोई भाग लेना चाहता है, तो उसकी स्वतंत्रता का सम्मान किया जाए। अंततः प्रश्न केवल होली का नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता का है। क्या हम स्वतंत्रता को संदेह की दृष्टि से देखेंगे, या उसे जिम्मेदारी के साथ स्वीकार करेंगे? क्या हम बेटियों को केवल संरक्षण की वस्तु मानेंगे, या उन्हें सक्षम और सजग नागरिक के रूप में देखेंगे? होली का रंग तभी स्थायी होगा जब उसमें विश्वास और सम्मान की खुशबू हो। परंपरा और आधुनिकता का संघर्ष तब समाप्त होगा जब हम समझेंगे कि दोनों का उद्देश्य समाज को बेहतर बनाना है। त्योहारों का अर्थ केवल रस्में निभाना नहीं, बल्कि समय के साथ स्वयं को परखना भी है। यदि हम मयार्दा, गरिमा और सहमति को केंद्र में रखकर उत्सव मनाएँ, तो न तो परंपरा आहत होगी और न आधुनिकता। समाज की प्रगति इसी में है कि वह अपनी जड़ों को संभालते हुए नई शाखाओं को फैलने दे। रंगों का यह पर्व हमें यही सिखाता है कि विविधता में भी समरसता संभव है—बस दृष्टिकोण संतुलित होना चाहिए।

होली का रंग, अंग अंग में उमंग, होली का त्यौहार, परंपरायें और महत्व

-विक्रम दयाल

होली का त्यौहार, खुशियाँ और हर्षोल्लास को दशार्ने वाला हिंदू धर्म का एक पारंपरिक त्यौहार है। होली एक ऐसा त्यौहार है जो रंगों की बहार के साथ साथ खुशियों और उमंगों से भरा होता है। इस दिन लोग अपने दोस्तों और परिवारों के साथ मिलकर रंगों से खेलते हैं, गुलाल उड़ाते है और एक दूसरे को प्रेम से बधाइयाँ देते हैं। होली का त्यौहार बसंत ऋतु में आता है, जब प्रकृति भी प्राकृतिक रंगों से शराबोर होकर पृथ्वी वासियों के मन को मोहने लगती है। पेड़ पौधे, बाग बगीचों में नन्ही नन्ही कोपिलें और फूल लतायें खिल कर मुस्कुराने लगती हैं। इस दिन लोग अपने घरों को सजाते हैं, मीठे पकवान बनाते हैं और एक दूसरे के साथ मिलकर जश्न मनाते हैं। होली का रंग अंग अंग में उमंग, होली के त्यौहार की भावना को उजागर करता है। होली का महत्वः- होली का त्यौहार कई महत्त्वपूर्ण पहलुओं को दशार्ता है। बुराई पर अच्छाई की जीतः होली का त्यौहार बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है। होलिका दहन की कहानी में भगवान विष्णु ने अपने भक्त प्रहलाद को बचाने के लिए होलिका को जला दिया था, जिसे अग्नि में न जलने का वरदान था, जो बुराई का प्रतीक थी। बसंत ऋतु का स्वागतः होली का त्यौहार बसंत ऋतु के स्वागत में मनाया जाता है। इस समय प्रकृति भी प्राकृतिक रंगों से भर जाती है और मौसम रमणीक लुभावना और सुहावना हो जाता है। सामाजिक एकताः होली का रंग सामाजिक एकता का प्रतीक है।

इस दिन लोग अपने दोस्तों और परिवारों के साथ मिलकर रंगों से खेलते हैं और एक दूसरे को बधाइयाँ देते हैं। नई शुरूआतः होली का त्यौहार नई शुरूआत का भी प्रतीक है। इस दिन लोग अपने अति पुराने गिले-शिकवे भूलकर नए सिरे से जिंदगी की शुरूआत करते है। होली के रंगों का महत्वः लाल रंगः लाल रंग प्रेम और उत्साह का प्रतीक है। हरा रंगः हरा रंग प्रकृति और हरियाली का प्रतीक है। पीला रंगः पीला रंग खुशी और उमंग का प्रतीक है। नीला रंगः नीला रंग शांति और सुकून का प्रतीक है। होली त्यौहार से जुड़ी कुछ और कहानियाँ हैं। होलिका और प्रहलाद की कहानीः प्रहलाद विष्णु भक्त थे। हिरण्यकशिपु को प्रहलाद का विष्णु भगवान की पूजा आराधना पर एतराज था। जो अपनी बहन होलिका के द्वारा अग्नि में जला कर प्रहलाद को मारने के लिए प्रेरित किया। जिसे अग्नि में न जलने का वरदान प्राप्त था, मगर प्रहलाद को बचाने के लिए विष्णु भगवान ने होलिका को ही जला दिया, जो बुराई का प्रतीक थी। तबसे होली के दिन होलिका दहन किया जाता है और दूसरे दिन रंगों का त्यौहार होली मनाई जाती है। राधा और कृष्ण की कहानीः होली का त्यौहार राधा और कृष्ण के प्रेम के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। कहा जाता है भगवान कृष्ण ने अपनी मां यशोदा से पूछा था कि वह क्यों इतने काले हैं और राधा इतनी गोरी है। यशोदा ने उन्हें बताया था कि वह राधा को रंग लगा सकते हैं और उन्हें भी अपने रंग में रंग सकते है। व्रज में तभी से रंगों का त्योहार होली मनाया जाने लगा। शिव और पार्वती की कहानीः होली के त्यौहार को शिव और पार्वती के विवाह के प्रतीक के रूप में भी मनाया जाता है। कहा जाता है की शिव जी ने पार्वती को अपने रंग में रंग दिया था, और उन्हें अपना बना लिया था। होली के त्यौहार के दौरान किये जाने वाले कार्यः रंगो से खेलनाः होली के दिन लोग अपने दोस्तों और परिवारों के साथ मिलकर रंगों से खेलते हैं। गुलाल उड़ानाः होली के दिन लोग गुलाल उड़ाते है, और एक दूसरे को रंगों में डुबा देते हैं। पकवान बनानाः होली के दिन पकवान बनाते हैं और एक दूसरे को खिलाते हैं। होली गीतः होली के दिन लोग होली गीत और नृत्य करते हैं। होली की शुभकामनायेंः होली के दिन लोग एक दूसरे को हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। होली त्यौहार का महत्वः होली का त्यौहार सामाजिक एकता का प्रतीक है। इस दिन लोग अपने दोस्तों परिवार के साथ मिलकर लोग रंग खेलते हैं, और एक दूसरे को बधाई देते हैं। होली का त्यौहार नई शुरूआत का प्रतीक है। इस दिन लोग अपने पुराने गिले शिकवे भूलकर नई सिरे से नई शुरूआत करते हैं। प्रेम और उत्साहः होली का त्यौहार प्रेम और उत्साह का प्रतीक है। इस दिन लोग अपने दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर रंगों का त्यौहार होली मनाते है और एक दूसरे के साथ मिलकर रंगो से होली खेलते है, और गले मिलकर बधाइयां देते हैं।

भारत के विमानन क्षेत्र को सुरक्षित कैसे बनाया जाए?

हाल ही में निजी चार्टर विमानन कंपनियों से जुड़ी विमान दुर्घटनाओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। महाराष्ट्र के बारामती में 28 जनवरी, 2026 को एक निजी चार्टर कंपनी के लीअरजैट क्रैश में 5 लोगों की मौत, जिसमें उप-मुख्यमंत्री अजित पवार शामिल थे, ने निजी चार्टर क्षेत्र की कमियों को उजागर कर दिया है। इसी तरह कुछ दिन पहले झारखंड में एयर एम्बुलैंस क्रैश और अंडेमान में हैलीकॉप्टर हादसे ने भी कई सवाल खड़े किए हैं कि आखिर नॉन-शैड्यूल्ड ऑप्रेटर्स परमिट (एन.एस.ओ.पी.) धारक कंपनियां सुरक्षा मानकों की अनदेखी क्यों कर रही हैं?

डी.जी.सी.ए. के ऑडिट में पाया गया कि एक निजी चार्टर कंपनी में एयरवर्दिनैस, फ्लाइट ऑप्रेशंस और मैंटेनैंस में गंभीर उल्लंघन थे, जिसके चलते 4 विमान ग्राऊंड कर दिए गए। गौरतलब है कि पिछले एक दशक में 20 से अधिक दुर्घटनाएं एन.एस.ओ.पी. ऑपरेटर्स से जुड़ी पाई गईं, जिनकी मुख्य वजहें स्टैंडर्ड ऑप्रेटिंग प्रोसीजर्स का पालन न करना, अपर्याप्त फ्लाइट प्लानिंग और ट्रेनिंग की कमी रही हैं। उल्लेखनीय है कि प्राइवेट चार्टर कंपनियों द्वारा पुराने विमानों का रखरखाव न करना, फ्यूल लॉग्स में हेरफेर और अनधिकृत उड़ानें आम हैं। जाहिर सी बात है कि ऐसी खामियां व्यावसायिक दबाव के कारण ही होती हैं। अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आई.सी.ए.ओ.) संयुक्त राष्ट्र की एक एजैंसी है, जो 193 देशों को आपसी सहयोग और सांझे हवाई परिवहन के माध्यम से पारस्परिक लाभ प्राप्त करने में मदद करती है। भारत में भी निजी चार्टर कंपनियां आई.सी.ए.ओ. और डी.जी.सी.ए. दिशा-निर्देशों पर आधारित हैं। लेकिन अफसोस की बात है कि इनका पूर्ण अनुपालन नहीं होता, क्योंकि इस क्षेत्र में काफी विविधता है, कॉर्पोरेट ट्रैवल से लेकर पर्यटन तक। ऑप्रेटर्स न्यूनतम अनुपालन पर ही टिके रहते हैं, जबकि इन कंपनियों से भी शैड्यूल्ड एयरलाइंस जैसे उच्च मानक अपेक्षित हैं। देखा गया है कि डी.जी.सी.ए. की कमजोर निगरानी के कारण निजी चार्टर ऑप्रेटर्स स्टैंडर्ड ऑप्रेटिंग प्रोसीजर्स को बड़े आराम से नजरअंदाज कर देते हैं, खासकर घने कोहरे या खराब मौसम में। जानकारों की मानें तो डी.जी.सी.ए. में बढ़ता हुआ भ्रष्टाचार सुरक्षा मानदंडों को कमजोर कर रहा है। हाल ही में कैप्टन अनिल गिल जैसे वरिष्ठ अधिकारी पर उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफ.टी.ओका) से रिश्वत लेने के आरोप लगे, जिसमें विमान सस्ते में लेना और ऑडिट में छूट देना शामिल था। पुराने मामलों में भी ज्वायंट डायरैक्टर जनरल के पदों पर तैनात अधिकारियों पर फ्लाइंग स्कूलों को अनियमित एक्सटैंशन देने के आरोप सिद्ध हुए। यह भ्रष्टाचार सुरक्षा उल्लंघनों को बढ़ावा देता है, क्योंकि ऑप्रेटर्स रिश्वत देकर मानक टाल देते हैं, जिससे विमान यात्रा और यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। गौरतलब है कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन डी.जी.सी.ए. में 50 प्रतिशत से अधिक स्टाफ की कमी है। डी.जी.सी.ए. में 1630 पदों में से केवल 829 ही भरे हैं। इनमें एयरवदनैस विंग में 44 और एयर सेफ्टी विंग में 30 वैकेंसी हैं। इन सबका कारण स्पष्ट है, स्वायत्तता की कमी, जो निर्णय लेने में देरी करती है। वहीं संघ लोक सेवा आयोग व स्टाफ सिलैक्शन कमीशन द्वारा भर्ती में देरी, आकर्षक वेतन का न होना और विशेषज्ञ पायलट/इंस्पैक्टर्स का न मिलना भी एक अहम कारण है।

शिक्षक पिता के सेवानिवृत होने पर बच्चों ने भेंट की महंगी कार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। समाज में एक तरफ जहां माता-पिता के प्रति अनादर की भावना बढ़ रही है, वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं,जो अपने माता-पिता की सेवा करना, उनके चेहरों पर खुशियां लाना, अपना परम सौभाग्य मानते हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग से सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षक राजेश तिवारी के लिए 1मार्च का दिन उनके जीवन का अविस्मरणीय दिन रहा। महानगरपालिका में 34 वर्षों की अखंड सेवा के बाद वे 1 मार्च को एमपीएस भरुचा रोड नंबर दो, मनपा हिंदी शाला बोरीवली पूर्व से सेवानिवृत हुए। उसी दिन उनकी विदाई पार्टी का आयोजन किया गया था, जिसकी अध्यक्षता खुटहन, जौनपुर के ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव ने की तथा जौनपुर के भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के अंतिम चरण में उनके पुत्र गौरव तथा पुत्रियों गरिमा, शालिनी और स्वाति ने जब उन्हें कार की चाबी पकड़ाई तो देखने वाले दंग रह गए। बच्चों की तरफ से मिले इस उपहार की सभी लोगों ने सराहना की। उनके बच्चों ने कहा कि अब आप मम्मी के साथ इसी कार से धार्मिक भ्रमण करिए। श्री तिवारी दूसरे दिन द्वारका धाम के लिए रवाना हो गए। कुल मिलाकर यह प्रसंग आज की युवा पीढ़ी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है।

एच टी पारेख फाउंडेशन ने हर्षा पारेख लाइब्रेरियन अवॉर्ड्स आयोजित किया

मुंबई। भारत में बच्चों के साथ काम करने वाले लाइब्रेरियन का सम्मान करने के लिए, मुंबई स्थित धर्मार्थ संस्था एच टी पारेख फाउंडेशन (एचटीपीएफ) ने हाल ही में नेहरू सेंटर के हॉल ऑफ हार्मनी में पहला हर्षा पारेख लाइब्रेरियन अवॉर्ड्स आयोजित किया। यह राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम बच्चों में जिज्ञासा, कल्पना शक्ति और पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ाने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करने के लिए पहली बार आयोजित किया गया।

इस अवॉर्ड का नाम प्रसिद्ध प्रोफेसर हर्षा एस. पारेख की स्मृति में रखा गया है, जो लाइब्रेरी विज्ञान के क्षेत्र में उनका स्थायी योगदान दर्शाता है। लाइब्रेरियन केवल किताबों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अपनी पारंपरिक भूमिकाओं से आगे जाकर स्वयं शिक्षकों की तरह बच्चों के मन पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। कार्यक्रम में दीपक एस. पारेख (चेयरमैन, एच टी पारेख फाउंडेशन और पूर्व अध्यक्ष, एचडीएफसी लिमिटेड), अनंत गोयनका (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप), तारा शर्मा सलूजा (एक्टर और प्रोड्यूसर), अश्विन संघी (लेखक), और स्वर्गीय हर्षा एस. पारेख के परिवार के सदस्य, सहयोगी और मित्र, साथ ही फाउंडेशन के साथ काम करने वाले कई शैक्षणिक संस्थान उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के महत्व के बारे में बोलते हुए, ज़िया लालकाका (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और सीईओ, एच टी पारेख फाउंडेशन) ने बताया कि पिछले चार वर्षों में इस क्षेत्र की संस्थाओं के साथ किए गए काम से हमें यह समझ में आया है कि बच्चों में पढ़ने की आदत डालने और किताबों के साथ जीवनभर का रिश्ता बनाने में लाइब्रेरियन कितने महत्वपूर्ण हैं। हर्षा पारेख लाइब्रेरियन अवॉर्ड्स का यह पहला संस्करण शांतिपूर्ण बदलाव लाने वाले लाइब्रेरियनों का औपचारिक सम्मान करता है । इस साल के सभी विजेताओं को मैं बधाई देता हूं और भविष्य में इस पुरस्कार को हर साल आयोजित करने की उम्मीद करता हूँ।

अवॉर्ड के लिए पूरे भारत से 275 नामांकन आए। इसमें 16 राज्यों की 153 स्कूल लाइब्रेरियन, 52 सामुदायिक लाइब्रेरियन और 70 संस्थाएं शामिल थीं। इन नामांकनों में से निम्न विजेताओं का चयन किया गयाः स्कूल लाइब्रेरियनः जय शेखर, शिक्षक और लाइब्रेरियन, सरकारी प्राथमिक विद्यालय धमार्पुर, बलरामपुर, उत्तर प्रदेश। सामुदायिक लाइब्रेरियनः सबा खान, संस्थापक, सावित्रीबाई फुले फातिमा शेख लाइब्रेरी, भोपाल, मध्य प्रदेश। लाइब्रेरी कार्य के लिए संस्थाः ऑर्गनाइजेशन फॉर अर्ली लिटरेसी प्रमोशन 2008 में स्थापित, यह संस्था ग्रामीण भारत में स्कूल और सामुदायिक लाइब्रेरियां स्थापित करने के लिए काम करती है। विशेष उल्लेख - स्कूल लाइब्रेरियन विद्या देवी, पूर्णकालिक लाइब्रेरियन, कमला निम्बकर बालभवन, फलटण, महाराष्ट्र (राज्य बोर्ड के अंतर्गत चलने वाला स्कूल)।

रियल वाले रंग सब पे चढ़ जाएं' अभियान के साथ 'रियल जूस ' ने बदला होली उत्सव का अंदाज

मुंबई/पटना। पैकेज्ड फ्रूट जूस श्रेणी की अग्रणी कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने अपने होली उत्सव अभियान, रियल वाले रंग सब पे चढ़ जाएं को लॉन्च करने की घोषणा की। 'रियल फ्रूट पावर' को हाइड्रेशन और ऊर्जा के बेहतरीन साथी के रूप में पेश करते हुए, यह अभियान भारत के सबसे रंगीन त्योहार की बेरोकटोक और स्वाभाविक खुशी का जश्न मनाता है। रियल वाले रंग सब पे चढ़ जाएं पहल लोगों को अपनी झिझक छोड़ने और रंगबाज भावना को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है—यानी फलों के प्राकृतिक पोषण से भरपूर रहते हुए पूरे दिल से होली खेलना। इस अभियान के केंद्र में एक हाई-एनर्जी म्यूज़िकल फिल्म है, जो आधुनिक भारतीय होली की आत्मा को दर्शाती हैः परंपरा, सहज नृत्य और दोस्ती के वास्तविक बंधनों का एक अनूठा संगम। होली सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं है; यह ऊर्जा और भावनाओं का विस्फोट है। 'रियल वाले रंग सब पे चढ़ जाएं' के माध्यम से, हम अपने उपभोक्ताओं को याद दिलाना चाहते हैं कि त्योहार का आनंद लेने का सबसे अच्छा तरीका अपना वास्तविक स्वरूप बने रहना है। रियल फ्रूट पावर वह आवश्यक पोषण और हाइड्रेशन प्रदान करता है जो पहली फुहार से लेकर आखिरी डांस बीट तक ऊर्जा को बनाए रखने के लिए जरूरी है।

केसीएन क्लब निर्झरिणी द्वारा आयोजित 147वीं मासिक काव्य गोष्ठी व फागोत्सव के रंग में रंगी बोईसर की शाम

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले की औद्योगिक नगरी बोईसर शहर में फाल्गुन पूर्णिमा के अवसर पर होलिका दहन की संध्या रंग, रस और साहित्य से सराबोर रही। राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड़ क्लब (केसीएन क्लब) की साहित्यिक उपशाखा निर्झरिणी द्वारा के.सी.एन. हाउस, जयश्री अपार्टमेंट, नवापुर रोड पर होली हुड़दंग एवं 147वीं मासिक काव्य गोष्ठी सह फागोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने विद्या की देवी माता सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन तथा क्लब की संस्थापिका ममतामयी माता मीरा देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय संरक्षक एडवोकेट शोभनाथ शिवशंकर त्रिपाठी ने की, जबकि वरिष्ठ समाजसेवी अमरेंद्र शुक्ला प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संचालन निर्झरिणी

के पालघर जिलाध्यक्ष नवरत्न मिश्र अर्पित ने प्रभावी ढंग से किया। काव्य गोष्ठी में कवियों ने होली, प्रेम, सद्भाव और सामाजिक समरसता पर आधारित रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अवध और मिथिला के पारंपरिक फाग गीतों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर ऐसा रंग जमाया कि उपस्थित जन झूम उठे। फिल्मी होली गीतों के साथ जलेबी, समोसा, भजिया और ठंडई का स्वाद आयोजन में उत्साह का रंग घोलता रहा। इस अवसर पर निर्झरिणी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कवि कुमार कलहंस, मंडल अध्यक्ष कवि बसंत चौहान, मधुबनी मंडल अध्यक्ष बैजनाथ महतो, कोंकड मंडल कार्यकारिणी सदस्य गुलाब चौहान, केसीएन क्लब पालघर जिलाध्यक्ष जेपी जायसवाल, अरविंद दुबे, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारी पंडित चंदन कौटिल्य, खेलकूद शाखा के राष्ट्रीय क्रिकेट टीम अध्यक्ष राकेश शर्मा सहित मनोज यादव, संतोष कुमार, अभिनीत कुमार आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी ने सभी अतिथियों, कवियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि होली प्रेम, एकता और आपसी सौहार्द का संदेश देने वाला पर्व है। इसी के साथ रंगारंग फागोत्सव का समापन हुआ।

रमजान माह में हो रहे हैं इस्लामी देशों में धमाके : बाबूभाई भगवान जी

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और मुंबई के पूर्व उपमहापौर बाबूभाई भवानजी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर क्षेत्रीय और वैश्विक परिस्थितियों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि रमजान के महीने के दौरान अफगानिस्तान और पाकिस्तान सहित कुछ इस्लामिक देशों में आंतरिक अशांति और हिंसक घटनाएँ सामने आ रही हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत के पड़ोसी देशों – बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल – की परिस्थितियों पर टिप्पणी करने से बचना ही उचित है, क्योंकि कई देश अपने-अपने आंतरिक मुद्दों से जूझ रहे हैं। भवानजी ने अपने बयान में कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत में बड़े आयोजन और त्योहार शांतिपूर्वक आयोजित हो रहे हैं। उन्होंने इसका श्रेय देश के नेतृत्व और विदेश नीति को दिया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की सराहना की। अपने वक्तव्य में उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय नेतृत्व और विदेश नीति का सम्मान करना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह उल्लेख किया कि खाड़ी देशों जैसे दुबई और कतर में भी समय-समय पर अप्रत्याशित घटनाएँ होती रही हैं। यह बयान वर्तमान अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय परिस्थितियों की पृष्ठभूमि में जारी किया गया है।

अय्यप्पा संघम द्वारा अट्टुकल पोंगल महोत्सव आयोजित

वसई (उत्तरशक्ति)। वसंत नगरी ग्राउंड में श्री अय्यप्पा संघम द्वारा आयोजित अट्टुकल पोंगल महोत्सव के पावन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सहभागिता की। यह महोत्सव भक्ति, परंपरा और सांस्कृतिक समरसता का अनुपम संगम है, जो विविधता में एकता का संदेश देता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दक्षिण भारतीय समाज के भाई-बहन, गणमान्य नागरिक, अधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर बिजेंद्र कुमार एवं श्रीमती कंचन झा सहित अनेक सम्मानित अतिथि भी मौजूद थे। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं एवं आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए समाज में आपसी सौहार्द, सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का आह्वान किया।

समाज सेवक निपुण दोषी द्वारा आयोजित होली दहन में स्नेहा दुबे पंडित मौजूद

वसई (उत्तरशक्ति)। मानव मंदिर, वसई वेस्ट में समाज सेवक निपुण दोषी द्वारा आयोजित पारंपरिक होली दहन कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि होली का यह पावन पर्व सामाजिक एकता, सद्भाव और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। बुराई पर अच्छाई की विजय और नए जीवन की शुरूआत का संदेश देने वाला यह त्योहार सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, यही उनकी ईश्वर से प्रार्थना है। कार्यक्रम में पार्षद श्रीमती निम्मी निपुण दोशी, उत्तर शक्ति न्यूज के रिपोर्टर नरेंद्र सोनी, छोटू आनंद, हरीश बेदी, अंशुमान ठाकुर, विकास सिंह, कल्पेश पांडे, डी-3 म्यूजिक पार्टी की आयोजक संगीता महादिक एवं उनकी संगीत टीम के साथ-साथ भाजपा वार्ड 97 के महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता बड़ी संख्या में

उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त स्थानीय नागरिक, पदाधिकारी एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ होली दहन संपन्न हुआ तथा उपस्थित जनसमूह ने आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया।

धूमधाम से मनाई गई होली, डॉ. हेमंत सांवरा रहे उपस्थित

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई पाचुबंदर में पारंपरिक उत्साह और उमंग के साथ होली पर्व मनाया गया। इस अवसर पर पालघर के खासदार डॉ. हेमंत सांवरा ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और क्षेत्रवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में भाजपा के घट नेता अशोक शेलके, अभय कक्कड़ और केतन गांधी भी शामिल हुए। सभी जनप्रतिनिधियों ने पवित्र होली की पूजा-अर्चना की और उपस्थित नागरिकों के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। होली के इस पारंपरिक उत्सव के दौरान पूरा इलाका उत्साह, एकता और सांस्कृतिक विरासत की भावना से सराबोर नजर आया। खासदार डॉ. हेमंत सांवरा ने स्थानीय कार्यकताओं एवं कोली समाज के भाइयों से संवाद करते हुए उनकी

भावनाओं, उम्मीदों और क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने आश्वासन दिया कि क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। डॉ. हेमंत सांवरा ने कहा कि होली जैसे पारंपरिक त्योहार हमारी सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करते हैं और समाज में भाईचारा एवं एकता को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी नागरिकों को सुरक्षित और आनंदमय होली मनाने की शुभकामनाएं दीं।

विधायक राजन नाईक की सहभागिता में धूलि रंग कार्यक्रम आयोजित

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा राष्ट्र रंग महोत्सव 2026 के अवसर पर धूलि रंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और उपस्थित नागरिकों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में महामंत्री मनोज बारोट, विनीत तिवारी एवं महेंद्र पाटिल सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक राजन नाईक ने कहा कि होली केवल रंगों का ही नहीं, बल्कि खुशी, एकता और भाईचारे का त्योहार है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, हम सब इस रंगों के पावन पर्व पर प्यार, सद्भाव और सकारात्मकता के रंग फैलाएं। हम सभी के जीवन में खुशी, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य बना रहे, यही हमारी दिल से कामना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और आपसी सौहार्द के साथ होली का उत्सव मनाया। आयोजन का उद्देश्य समाज में एकता, भाईचारे और राष्ट्रीय भावना को सुदृढ़ करना था।

एनीटाईम फिटनैस इंडिया ने चेंबुर में अपना नए क्लब का उद्घाटन किया

मुंबई। देश की सबसे तेजी से विकसित होती 24/7 फिटनैस फ्रैंचाइज, एनीटाईम फिटनैस इंडिया ने मुंबई के चेंबुर में अपने नए क्लब का उद्घाटन किया है । इस भव्य लॉन्च के साथ ब्राण्ड ने पश्चिमी क्षेत्र में अपने बढ़ते फुटप्रिन्ट को और मजबूत बना लिया है। यह ओपनिंग स्वास्थ्य के प्रति सजग शहरी लोगों के लिए वैलनैस एवं फिटनैस समाधानों को सुलभ बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

लॉन्च के अवसर पर श्री विकास जैन, मैनेजिंग डायरेक्टर, एनीटाईम फिटनैस इंडिया ने कहा, पश्चिमी क्षेत्र में एनीटाईम फिटनैस इंडिया लगातार विकसित हो रहा है और मुंबई में चेंबुर क्लब का लॉन्च हमारी इसी प्रगति को दशार्ता है। खासतौर पर महाराष्ट्र में हॉलिस्टिक फिटनैस सॉल्युशन्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। इस बीच हमारे फ्रैंचाइज पार्टनर्स श्री सलिल कुमार घाटे और श्री प्रतीक विकास वैद द्वारा दूसरे क्लब का लॉन्च पार्टनर्स के हममें बढ़ते भरोसे की पुष्टि करता है। पश्चिमी क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाते हुए हम ऐसे समावेशी और 24/7 फिटनैस स्पेसेज बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो लोगों को उनकी लाईफस्टाइल के अनुसार सस्टेनेबल और कंसिस्टेन्ट वैलनैस रूटीन अपनाने में मदद करें।

चेंबुर क्लब का नेतृत्व अनुभवी फ्रैंचाइज पार्टनर्स श्री सलिल कुमार घाटे और श्री प्रतीक विकास वैद द्वारा किया जाएगा, जिन्होंने अपने दूसरे एनीटाईम फिटनैस क्लब के लॉन्च के साथ निजी उपलब्धि भी हासिल की है। यह विकास एनीटाईम फिटनैस FOFO (Franchise Owned, Franchise Operated) मॉडल की प्रमाणित क्षमता तथा शहरी भारत में विश्वस्तरीय फिटनैस सुविधाओं की बढ़ती मांग को दशार्ता है। क्लब में आधुनिक इक्विपमेन्ट, विशेषज्ञों के नेतृत्व में पर्सनल ट्रेनिंग, डायनामिक ग्रुप क्लासेज, फंक्शनल ट्रेनिंग जोन और 24/7 एक्सेस जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं ताकि मेंबर्स अपनी सुविधानुसार दिन के किसी भी समय अपने हेल्थ गोल्स पर काम कर सकें। क्लब के मेंबर्स बॉडी कम्पोजिशन एनालिसिस (बीसीए) टूल्स, डिजिटल ट्रेनिंग सपोर्ट के लिए एनीटाईम फिटनैस ऐप तथा दुनिया भर में 5500 से अधिक क्लब्स के ग्लोबल नेटवर्क का लाभ भी उठा सकते हैं। चेंबुर क्लब का लॉन्च एनीटाईम फिटनैस इंडिया की महत्वाकांक्षी विस्तार योजनाओं में एक और महत्वपूर्ण कदम है, जिसने अगले पांच सालों में टियर 1 और टियर 2 शहरों में 500 क्लब्स के आंकड़े.तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। 24/7 सुविधा, हॉलिस्टिक वैलनैस प्रोग्रामों एवं सपोर्टिव फिटनैस कम्युनिटी के संयोजन के साथ एनीटाईम फिटनैस लोगों को अपनी हेल्थ में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना जारी रखे हुए है।

किआ इंडिया की फरवरी में रिकॉर्ड बिक्री

मुंबई। देश की अग्रणी 'मास-प्रीमियम' कार निमार्ता कंपनी, किआ इंडिया ने भारत में अपना परिचालन शुरू करने के बाद से फरवरी महीने की अपनी अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की है। फरवरी 2026 में कंपनी ने 27,610 गाड़ियाँ बेचीं। पिछले वर्ष फरवरी 2025 में बेची गई 25,026 गाड़ियों की तुलना में यह 10.3 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दशार्ती है। लगातार दूसरे महीने डबल डिबजिट (दो अंकों) की यह मजबूत वृद्धि ब्रांड में ग्राहकों के गहरे और निरंतर भरोसे का प्रमाण है।

कंपनी की इस उपलब्धि में ऑल-न्यू किआ सेल्टोस का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अपने दमदार और बड़े डिजाइन, आधुनिक तकनीक और सुरक्षा मानकों के कारण इसे ग्राहकों से जोरदार प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं किआ सोनेट ने कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखते हुए, अपने बेहतरीन फीचर्स और किफायती पैकेज के जरिए बिक्री की रफ्तार को बनाए रखा। परिवारों के बीच लोकप्रिय हो रही कैरेंस क्लैविस ने अपने बेहतर डिजाइन, अधिक जगह और आरामदायक अनुभव के चलते फैमिली कार सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत की है। वहीं, क्लैविस ईवी को उन ग्राहकों के बीच काफी पसंद किया जा रहा है जो इलेक्ट्रिक गाड़ी चलाने का एक सरल अनुभव चाहते हैं। प्रीमियम श्रेणी में, किआ कार्निवल ने लक्जरी एमपीवी सेगमेंट में कंपनी की स्थिति को और मजबूत किया है, जो भारत में किआ ब्रांड के प्रति ग्राहकों के बढ़ते जुड़ाव को दशार्ता है। कंपनी का कहना है कि यह प्रदर्शन उसकी एक संतुलित उत्पाद रणनीति का परिणाम है, जिसमें आधुनिक डिजाइन, उन्नत सुरक्षा तकनीक (जैसे एडीएएस), कनेक्टेड कार फीचर्स और प्रीमियम ओनरशिप अनुभव का संगम है। अपनी विशिष्ट 'मास-प्रीमियम' पहचान के कारण किआ लगातार ऐसे आकर्षक उत्पाद पेश कर रही है जो ग्राहकों की बदलती उम्मीदों के अनुरूप हों। किआ इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स एंड मार्केटिंग), श्री अतुल सूद ने कहा, फरवरी का यह रिकॉर्ड प्रदर्शन भारतीय ग्राहकों के किआ ब्रांड पर बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। ऑल-न्यू सेल्टोस, सोनेट और क्लैविस रेंज सहित हमारे पूरे पोर्टफोलियो को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया हमारी सोची-समझी रणनीति और ग्राहकों की बदलती जरूरतों (विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर झुकाव) के हिसाब से खुद को ढालने की क्षमता को दशार्ती है।

हम केवल बाजार के रुझानों का अनुसरण नहीं कर रहे, बल्कि नवाचार, प्रीमियम डिजाइन, उन्नत तकनीक और ग्राहकों को बेहतर मूल्य देने के अपने संकल्प के माध्यम से उन्हें दिशा भी दे रहे हैं। किआ इंडिया अपनी बेहतर कार्यप्रणाली और मजबूत सप्लाई चेन के जरिए ग्राहकों की बढ़ती मांग और डिलीवरी की जरूरतों को कुशलतापूर्वक पूरा कर रही है। देश के 382 शहरों में फैले 849 टचपॉइंट्स के साथ कंपनी की सेवाएं अब और भी सुलभ हो गई हैं। वहीं, 122 'सर्टिफाइड प्री-ओन्ड' आउटलेट्स पुरानी गाड़ियों की खरीद-बिक्री में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं, जिससे ग्राहकों को बिना किसी परेशानी और पूरी निश्चिंतता के साथ सुरक्षित ओनरशिप ट्रांसफर की सुविधा मिलती है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

संसद प्रिया सरोज की पहल पर जलालगंज में शटल एक्सप्रेस का ठहराव 6 मार्च से

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र की सांसद प्रिया सरोज की पहल पर लखनऊझ्रवाराणसी सुपर फास्ट शटल एक्सप्रेस (20401/20402) का ठहराव अब जलालगंज रेलवे स्टेशन पर सुनिश्चित हो गया है। यह ठहराव 6 मार्च से प्रभावी होगा, जिससे क्षेत्रीय यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

लोकसभा में उठाया था मुद्दाः क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए सांसद प्रिया सरोज ने लोकसभा के प्रश्नकाल के दौरान इस विषय को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने रेल मंत्री को लिखित पत्र भी सौंपा, जिसमें जलालगंज स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की आवश्यकता को विस्तार से बताया गया था।

सांसद ने अपने पत्र में कहा था कि मछली शहर लोकसभा क्षेत्र जलालगंज और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों यात्रियों को लखनऊ और वाराणसी जाने के लिए अन्य स्टेशनों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त खपत होती है।

उत्तर रेलवे ने जारी किया पत्रः मंगलवार को उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की ओर से प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा ने आधिकारिक पत्र जारी कर 20401/20402 लखनऊ-वाराणसी सुपर फास्ट शटल एक्सप्रेस के जलालगंज स्टेशन पर ठहराव की पुष्टि की। रेलवे प्रशासन के इस निर्णय से स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल है।

6 मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगी सांसदः 6 मार्च को मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज जलालगंज रेलवे स्टेशन पहुंचकर शटल एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, रेलवे अधिकारी और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों के उपस्थित रहने की संभावना है।

नूरी मस्जिद में तरावीह में कुरआन हुआ मुकम्मल, मांगी गई देश अमन भाईचारे के लिए दुआएं

दुनियाबी तालीम के साथ साथ दीनी तालीम भी है। बहुत जरूरीः साजिद अलीम

रोजा केवल खाने पीने से रुकने का नाम नहींः हाफिज मो.सैफ

हाफि ज मो.सैफ, सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल पास, करने के साथ साथ हिफज करते रहेः सद्दाम हुसैन

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। माहे रमजान की विशेष नमाज तरावीह में कुरआन-ए-पाक मुकम्मल होने का सिलसिला शुरू हो चुका है। गुलिस्ता रात मोहल्ला ख्वाजगी टोला उर्दू बाजार निकट मोहन टॉकीज के पास नूरी मस्जिद में हाफि ज मो. सैफ निवासी सुलेम सराय जनपद प्रयागराज(इलाहाबाद) स्थित रहने वाले है। सद्दाम हुसैन के भांजे है। नूरी मस्जिद में हाफि ज मो, सैफ ने 12 दिन में तरावी, कुरआन ए पाक मुकम्मल कराया। जहाँ सैकड़ों की संख्या में रोजेदारों ने शिरकत करके तरावीह की नमाज अदा की। तत्पश्चात मस्जिद कमेटी के लोगों ने हाफिज मो. सैफ की गुलपोशी करके उन्हें बधाई दी और अंत में मुल्क में अमन व अमान एवं भाईचारा के लिये दुआएं भी मांगी गई।

पत्रकारों से बात करते हुए हाफिज मो.सैफ ने बताया कि तरावीह रमजान का चांद देख कर शुरू करना है और ईद का चांद देख कर बन्द करना है। ये 12 दिन की तरावीह का इंतेजाम था। ऐसा नहीं कि आज से तरावीह की नमाज नहीं पढ़ना है। उन्होंने रमजान की अहमियत को बताते हुए कहा कि रोजा केवल खाने पीने से रुके रहने का नाम नहीं है बल्कि हमारे है जिस्म के हर अंग का रोजा होना चाहिए तभी हमारा रोजा मकबूल होगा।

इस अवसर पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए।पूर्व सभासद साजिद अलीम, सद्दाम हुसैन पूर्व मरकजी सीरत कमेटी जौनपुर, जनाब जावेद, पप्पू साहब, हाजी नसीम साहब, मो.रियाज, मो.शोएब, जावेद अजीम, मो.साद, भोलू समेत बड़ी संख्या में नमाजी उपस्थित रहे।

समस्त सृष्टि का कल्याण श्री सर्वेश्वरी समूह संस्थान का मूल मंत्रः हृदय प्रसाद सिंह

धूमधाम से मनाया गया श्री सर्वेश्वरी समूह संस्थान शाखा समोधपुर का 35 वां स्थापना दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला क्षेत्र के श्री सर्वेश्वरी समूह संस्थान शाखा समोधपुर का 35 वां स्थापना दिवस मंगलवार को

धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अघोरेश्वर महाप्रभु एवं पूज्यपद गुरुपद संभव राम जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना से किया गया। प्रातः 9:00 बजे से 24 घंटे तक अखंड संकीर्तन अघोरान्ना परो मंत्रः नास्ति तत्वं गुरो परम का संकीर्तन हुआ। इस अवसर पर जिले की कई शाखों और क्षेत्र वासियों का तांता लगा रहा।

शाखा के उपाध्यक्ष एवं गांधी स्मारक विद्यालय संकुल के प्रबंधक हृदय प्रसाद सिंह रानू ने कहा कि श्री सर्वेश्वरी समूह संस्थान विश्व का कल्याण करने के लिए उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विश्व में शांति, आपसी भाई चारे की भावना और समस्त सृष्टि का कल्याण संस्थान का मूल मंत्र है। उपाध्यक्ष ने कहा कि सभी संस्थाओं को युवा पीढ़ी को सन्मार्ग एवं परोपकार का भाव उत्पन्न करने के लिए काम करना चाहिए। कोषाध्यक्ष एवं श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. रणजीत सिंह ने कहा कि दीन दुखियों की सेवा और हर जीव में ईश्वर का दर्शन संस्थान की सबसे बड़ी सीख है। पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने भी शाखा में पहुंचकर अघोरेश्वर महाप्रभु और गुरुपद संभव राम जी के चरणों में मत्था टेक कर आशीर्वाद लिया।

पूर्व सांसद ने सर्वेश्वरी समूह संस्थान द्वारा मानवता की सेवा के नेक कार्यों की सराहना की। मौके पर शाखा के सदस्य सतीश सिंह, प्रो.अरविंद कुमार सिंह, राजेश सिंह प्रधानाचार्य डीपीएड, प्रधानाचार्य डॉ.अजेय प्रताप सिंह, केडी सिंह पूर्व ब्लाक प्रमुख डोभी, नवीन सिंह, पद्मभूषण सिंह, बिंद प्रताप सिंह, रमाशंकर मिश्र वैद्य, जितेंद्र बहादुर सिंह बबलू, मुरलीधर सिंह, संतोष कुमार, पुजारी संतोष कुमार, आशीष सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ईरान पर हुए हमले के बाद तत्काल तनाव कम करने और शांतिपूर्ण समाधान की जरूरतः मो.अरशद खान

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान पर हाल ही में हुए हमले पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्रीय स्थिरता, अंतरराष्ट्रीय शांति और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था के लिए अत्यंत चिंताजनक और गंभीर घटना बताया है।

उन्होंने कहा कि इस अत्यंत संवेदनशील समय में शांति की रक्षा, राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान, तथा अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की सैन्य वृद्धि और टकराव न केवल दशकों से चले आ रहे कूटनीतिक प्रयासों को कमजोर करेगा, बल्कि पहले से ही संवेदनशील भू-राजनीतिक संतुलन को अस्थिर कर देगा और निर्दोष नागरिकों के लिए गंभीर मानवीय संकट उत्पन्न करेगा।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत गणराज्य, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में एक सम्मानित और जिम्मेदार राष्ट्र है, के पास इस समय एक नैतिक दायित्व और ऐतिहासिक अवसर दोनों हैं कि वह तनाव कम करने और शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में रचनात्मक भूमिका निभाए। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और संवाद-आधारित कूटनीति की परंपरा उसे वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में एक संतुलित और स्थिरकारी भूमिका निभाने के लिए विशिष्ट रूप से सक्षम बनाती है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत और ईरान के बीच सदियों पुराने सभ्यतागत संबंध, जो परस्पर सम्मान, सांस्कृतिक निकटता और सहयोग पर आधारित हैं, अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के मूलभूत सिद्धांतों—शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और संप्रभु समानता—को प्रतिबिंबित करते हैं।

मोहम्मद अरशद खान ने भारत सरकार से, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में, तथा विदेश मंत्रालय से आग्रह किया कि वे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ सक्रिय रूप से संवाद करें और संयुक्त राष्ट्र, जी-20, तथा ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंचों का प्रभावी उपयोग करते हुए निम्नलिखित बिंदुओं की वकालत करें।

तत्काल युद्धविराम और सैन्य तनाव में कमी, सभी देशों की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान। सभी संबंधित पक्षों के बीच तत्काल कूटनीतिक संवाद और वार्ता। निर्दोष नागरिकों की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप शांतिपूर्ण और वार्ता-आधारित समाधान

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर, जो मानवता की सामूहिक इच्छा और विश्व शांति की आधारशिला है, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान का मार्गदर्शक सिद्धांत बना रहना चाहिए। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत ऐतिहासिक रूप से शांति, न्याय और संतुलित कूटनीति का समर्थक रहा है। ऐसे समय में जब वैश्विक स्थिरता गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, विश्व समुदाय जिम्मेदार और सिद्धांतवादी राष्ट्रों से विवेक, संयम और दूरदर्शिता के साथ नेतृत्व की अपेक्षा करता है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि ईमानदार कूटनीतिक प्रयासों, अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सामूहिक जिम्मेदारी और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के पालन के माध्यम से शांति, स्थिरता और न्याय की स्थापना सुनिश्चित की जा सकेगी।

हमेशा याद रहेंगी समाजसेविका कलावती देवीः डा.एमपी यादव

13वीं पुण्यतिथि पर लगा वृहद निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर | दर्जन भर चिकित्सकों ने सैकड़ों लोगों का किया परीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्रद्धांजलि का मतलब दिवंगत आत्मा को सम्मान, प्रेम एवं शान्ति की कामना के साथ उन्हें याद करना है। भले ही आज माता जी परिवार के साथ नहीं हैं, फिर भी परिवार के सभी सदस्य उनके प्यार को महसूस करते हैं। यही कारण है कि पिछले 13 वर्षों से लगातार परिवार के लोग आज के दिन को अविस्मरणीय बनाये हुये हैं। उक्त बातें समाजसेविका कलावती देवी की 13वीं पुण्यतिथि पर वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डा. एम.पी. यादव ने उपस्थित लोगों के बीच कही।

खुटहन क्षेत्र के ईश्वरपुर सलहदीपुर गांव में आयोजित पुण्यतिथि पर वृहद निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया जहां डा. एम.पी. यादव के अलावा सर्जन डा. विकास यादव, जनरल सर्जन डा. अश्वनी यादव, नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. देवेन्द्र यादव, ?जनरल फिजिशियन डा. एस.पी., दंत रोग विशेषज्ञ डा. नरेन्द्र यादव, बाल रोग विशेषज्ञ डा. डीके यादव, स्त्री एवं प्र?सूति रोग विशेषज्ञ डा. गुड़िया यादव, न्यूरो एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ डा. राहुल यादव, डा. डीके सोनी आदि ने सैकड़ों लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। साथ ही निःशुल्क दवा देते हुये उन्हें उचित सलाह भी दिया।

विशेष योगदान देने वालों को मिला विशेष सम्मान

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में विशेष योगदान देने वाले डा. राजेश यादव को कार्यक्रम आयोजक बृजेश यादव ने विशेष सम्मान से नवाजा जिस पर उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण करके जोरदार स्वागत किया। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक अध्यापक संदीप यादव एवं सहायक अध्यापक प्रमोद यादव को भी सम्मानित किया गया।

इसके पहले उपस्थित अतिथियों ने समाजसेविका के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दिया जिसके बाद कार्यक्रम संयोजक बृजेश यादव पत्रकार ने समस्त अतिथियों का माल्यार्पण करके स्वागत किया। इस दौरान डीसी एनआरएलएम जितेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक श्रमायुक्त देवव्रत यादव, युवा समाजसेवी/सपा नेता उदयभान मौर्य सहित अन्य वक्ताओं ने अपना विचार व्यक्त करते हुये माता जी द्वारा समाज में किये गये कार्यों पर प्रकाश डाला। वहीं समूह सम्पादक रामजी जायसवाल, ब्यूरो चीफ अजय पाण्डेय आदि ने अपना विचार व्यक्त करते हुये माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित किया। साथ ही बृजेश यादव जैसे सपूत द्वारा किये जा रहे इस नेक कार्य की सराहना भी किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी लालता प्रसाद यादव एवं संचालन चन्द्र प्रकाश तिवारी ने किया। इस मौके पर आये लोगों का स्वागत आयोजक युवा समाजसेवी बृजेश यादव पत्रकार ने किया। इस अवसर पर ब्रह्मजीत यादव, गिरीश चन्द्र यादव, मनोज गुप्ता, अमरजीत यादव, सरबजीत यादव, लालमन यादव, शम्स आलम, प्रदीप यादव, अच्छे लाल यादव, उमाशंकर, राहुल यादव, जयसिंह यादव, जयेश यादव, शाश्वत यादव, सुशांत यादव सहित तमाम गणमान्य महिला, पुष, युवा, बच्चे आदि उपस्थित रहे। अन्त में राजेश यादव, रमेश यादव एवं ईश्के लाल यादव ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इन लोगों का हुआ विशेष सम्मान

कार्यक्रम में डा. रामबली यादव अवकाशप्राप्त प्राचार्य पीजी कालेज हंडिया प्रयारागज/सदस्य चयन आयोग प्रयागराज, ग्राम विकास अधिकारी अरविन्द कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी नागेन्द्र यादव, ग्राम पंचायत अधिकारी नरेन्द्र कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी लक्ष्मीचन्द, प्रभारी एडीओ पंचायत अखिलेश वर्मा के अलावा शिक्षक दयाशंकर यादव, समाजसेवी राज बहादुर यादव, इन्द्रजीत यादव को अंगवस्त्रम भेंट करते हुये सम्मानित किया गया।

350 लोगों को दिया गया कम्बल

समाजसेविका कलावती देवी की 13वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में आयोजक बृजेश यादव पत्रकार ने प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 350 लोगों को कम्बल दिया। साथ ही ग्रामवासियों को आश्वस्त किया कि यदि आप लोगों का आशीर्वाद मुझ पर बना रहेगा तो इससे भी अधिक कार्य करता रहूंगा।

ईश्वरपुरवासियों के निःशुल्क उपचार की हुई घोषणा

शिविर के दौरान मौजूद चिकित्सकों की टीम का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ हड्डी एवं जोग रोग विशेषज्ञ डा. एम.पी. यादव ने मंच के माध्यम से घोषणा किया कि ईश्वरपुर सलहदीपुर गांव के हर व्यक्ति का उपचार उनके अपने अस्पताल में निःशुल्क किया जायेगा। इस अच्छे कार्य से अभिभूत चिकित्सकों की इस घोषणा से उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा वातावरण गूंजायमान कर दिया।

शाहगंज पुलिस टीम द्वारा 3 व्यक्ति को शांति भंग में किया गिरफ्तार

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा 03 व्यक्ति को शांति भंग में गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय किया गया चालान कुंवर अनुपम सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज श्री अजीत सिंह चौहान के निर्देशन व निकट पर्यवेक्षण मे थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा दिनांक 03/03/2026 को थाना क्षेत्र के भिन्न-भिन्न स्थानों से शान्ति भंग के दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 170/126/135 बी एन एस एस में कुल 03 नफर अभियुक्तो को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम- अभिषेक कुमार गुप्ता पुत्र अरविन्द कुमार गुप्ता निवासी पुराना चौक थाना शाहगंज जौनपुर उम्र करीब 21 वर्ष ऋषभ जायसवाल पुत्र रतन जायसवाल निवासी पल्थी रोड़ भादी थाना शाहगंज जौनपुर उम्र करीब 23 वर्ष। किशन कुमार पुत्र विनोद कुमार निवासी पुराना चौक थाना शाहगंज जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष।

जमात-ए-इस्लामी हिन्द ने जरूरतमंद परिवारों में बांटी रमजान किट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पवित्र रमजान माह के अवसर पर जमात-ए-इस्लामी हिन्द शहर इकाई की ओर से जरूरतमंद परिवारों को रमजान किट वितरित की गई। कार्यक्रम नगर स्थित शाही किला के पास आयोजित किया गया, जहां पूर्व सर्वेक्षण के आधार पर चिन्हित परिवारों को आमंत्रित कर सामग्री प्रदान की गई। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि रमजान का महीना इबादत, संयम और सेवा का संदेश देता है। रोजा और तिलावत के साथ जरूरतमंदों की मदद करना भी उतना ही पुण्यकारी कार्य है। इसी भावना से हर वर्ष रमजान में कमजोर एवं असहाय परिवारों को खाद्य सामग्री सहित आवश्यक वस्तुओं की किट दी जाती है। कार्यक्रम से पूर्व विभिन्न मोहल्लों में सर्वे कर वास्तविक जरूरतमंदों की पहचान की गई। संस्था पिछले कई वर्षों से बिना किसी भेदभाव के मानवीय आधार पर सेवा कार्य करती आ रही है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। इस अवसर पर फरूख शियर, शफिउज्जमा, नईयर जमाली, मो. फिरोज, मो. आसिम, मो. आफताब सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विश्व में अशांति, भारत स्थिर और प्रगतिशीलः सीएम योगी

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि जहां दुनिया में अशांति, अस्थिरता और संघर्ष देखा जा रहा है, वहीं भारत स्थिर है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रगति कर रहा है। देश के लोगों को इस बात पर गर्व हो सकता है। न्यू इंडिया में सभी वर्गों के लिए अवसर और उत्सव दोनों हैं। वहीं उन्होंने होली के त्योहार को लेकर भी यूपी के लोगों से बड़ी अपील की है। उन्होंने कहा कि होली न पर न ही आपत्तिजनक गाने चलाए जाएं और न ही किसी पर जबरन रंग लगाया जाए। सीएम योगी गोरखपुर के पांडेहाटा में श्री होलिका दहन उत्सव समिति द्वारा आयोजित 'भक्त प्रह्लाद शोभायात्रा' में शामिल हुए थे, इस दौरान उन्होंने एक सभा को संबोधित करते हुए कि त्योहार तभी खुशी लाते हैं जब शांति और सद्भाव से मनाया जाए।

कुल्हाड़ी व डंडे से दिव्यांग परिवार को पीटा गया, चार घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के सुरहुरपुर गांव में रविवार की रात में दबंगो ने गाली गलौज कर विरोध करने पर एक परिवार के चार दिव्यांगों को पर कुल्हाड़ी व लाठी डंडे से हमलाकर हो कर घायल कर दिया। घायलों का जिला चिकित्सालय में उपचार चल रहा है। ऊक्त गांव निवासी सुधनाथ चौहान के परिवार के बच्चों से 10 दिन पूर्व गांव के ही राजेन्द्र चौहान के बच्चों से विवाद हो गया था। जिसमे सुधनाथ चौहान ने थाने जाकर सूचना दिया था। उसके बाद आरोप है कि एक मार्च की रात को विपक्षी राजेन्द्र चौहान ने सुधनाथ के परिवार को गाली गलौज देने लगा। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो राजेन्द्र चौहान तथा उसके परिवार के अन्य लोगो ने सुधनाथ चौहान 55 वर्ष, उनकी पत्नी उर्मिला चौहान 50 वर्ष,उनके पुत्र काशी चौहान 32 वर्ष तथा बहु रीता चौहान 28 वर्ष को कुल्हाड़ी व डंडे से मारकर घायल कर दिया है। घायलों में सुधनाथ चौहान एक आंख से दिव्यांग है। वही उनकी पत्नी उर्मिला चौहान दो पैर से दिव्यांग है। उनका पुत्र काशी नाथ चौहान एक पैर से तथा उसकी पत्नी रीता एक ऑख से दिव्यांग है। सुधनाथ का छोटा पुत्र प्रताप चौहान मुंबई में रहता है। घटना की जानकारी होने पर वह मंगलवार को घर आया। फिलहाल अभी तहरीर नही दी है ।उसने बताया कि वह परिवार से मिलकर सारी जानकारी लेने के बाद तहरीर देगा। थानाप्रभारी गजानन्द चौबे ने बताया कि घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर गयी थी। सुधनाथ चौहान के छोटे बेटे ने मोबाइल पर बात किया है ।वह मुम्बई से आने के बाद तहरीर देने को बोला है।

होली पर बदलापुर को विकास का तोहफाः 105 सड़कों का निर्माण और मरम्मत कार्य शुरू

सीएम योगी की पहल से बदलेगी बदलापुर की सूरत, 13 नए मार्ग और 92 मार्गों की विशेष मरम्मत

बदलापुर विधायक रमेश चन्द्र मिश्र ने सरकार का जताया आभार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। होली के पावन पर्व पर बदलापुर विधानसभा क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा क्षेत्र के लिए 13 नव निर्माण मार्गों तथा 92 महत्वपूर्ण मार्गों के विशेष एवं सामान्य मरम्मत कार्य की स्वीकृति प्रदान की गई है। कुल 105 मार्गों पर निर्माण एवं नवीनीकरण कार्य कराया जाएगा, जिनमें से कुछ पर कार्य प्रारंभ भी हो चुका है।

जनपद जौनपुर की बदलापुर विधानसभा में होली के अवसर पर विकास का बड़ा उपहार मिला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में सड़क संपर्क सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 105 मार्गों पर निर्माण एवं मरम्मत कार्य स्वीकृत किया गया है।

इस योजना अंतर्गत 13 नए संपर्क मार्गों का निर्माण किया जाएगा, जबकि 92 मार्गों पर विशेष मरम्मत और सामान्य नवीनीकरण का कार्य होगा। प्रमुख विशेष मरम्मत मार्गों में यूनियन बैंक महराजगंज से डेल्हूपुर होते हुए सरायबिभार ब्राह्मण बस्ती तक, रामपुर संपर्क मार्ग, हरिहरपुर पानी की टंकी से नकहरा-नरवारी तक, मुहकुचा से रामनगर सहित अनेक संपर्क मार्ग शामिल हैं। इसी प्रकार सामान्य मरम्मत अंतर्गत बीरभानपुर-भगतपुर मार्ग से दुर्गापट्टी, प्रयागराज-गोरखपुर राज्य मार्ग-7 से जुड़े संपर्क मार्ग समेत दर्जनों गांवों के मार्गों का नवीनीकरण किया जाएगा।नव निर्माण मार्गों में घनश्यामपुर-शाहपुर-साहनी मार्ग से अहियापुर पाठक बस्ती, उदपुर गेल्हवा से बनगांव पट्टी दड़िया गड़ेरान बस्ती, सिंगरामऊ-लालगंज मार्ग से खानपुर मिश्रा बस्ती आदि सीमा तक मार्ग शामिल हैं।

होली के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बदलापुर विधानसभा को 105 सड़कों की सौगात देना क्षेत्र के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। विकसित विधानसभा बनाने के संकल्प के तहत क्षेत्रीय जनों के सुगम आवागमन को सुनिश्चित किया जा रहा है। मैं विधानसभा बदलापुर एवं संबंधित ग्राम सभाओं के देवतुल्य क्षेत्रीय जनों से आग्रह करता हूं कि निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें, ताकि सभी मार्ग टिकाऊ और मानक के अनुरूप बन सकें। यह पहल क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक प्रगति में मील का पत्थर साबित होगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क संपर्क से व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और दैनिक आवागमन को नई गति मिलेगी। बदलापुर विधानसभा में होली के अवसर पर मिली यह विकासात्मक सौगात क्षेत्रवासियों के लिए खुशी और उम्मीद की नई किरण लेकर आई है।

अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा नई समिति के आगाज के साथ कार्यकारिणी घोषणा, होली मिलन समारोह सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामाजिक धार्मिक, चिकित्सक, किन्नर एव अन्य क्षेत्र में अग्रणी संस्था अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार के द्वारा नई कार्यकारिणी घोषणा के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन नगर के एक हॉल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ शकुन्तला यादव, डॉ.समर बहादुर सिंह, डॉ.अजय कुमार दूबे रीता जायसवाल, नागेंद्र सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम में शिव तांडव स्त्रोत मेनका सिंह और राधा कृष्ण होली गीत नीलम मिश्रा के द्वारा प्रस्तुत किया गया ! अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट के संरक्षक के द्वारा नए सदस्यों के साथ नई समिति अधिवक्ता समिति का गठन किया गया जिसके लिए शरद कुमार जायसवाल को अध्यक्ष घोषित किया गया, समाजसेवा समिति की अध्यक्ष मीरा अग्रहरि, सचिव क्षमा सिंह, शिक्षक समिति के अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव सचिव नीलम मिश्रा, डॉ.पूनम सिंह, किन्नर समिति की अध्यक्ष पायल किन्नर सचिव डॉली जोशी, के साथ सभी समितियों के सदस्यों के नामों की घोषणा की गई ।कार्यकारिणी घोषणा के उपरांत एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर पारम्परिक मिष्ठान के साथ होली पर्व की बधाई प्रेषित की गई। संस्था अध्यक्ष उर्वशी सिंह ने कहा कि लोक संस्कृति में शामिल होली का महत्व सबसे ज्यादा है, ऐसे पूरे भारत में होली मनाया जाता है, लेकिन यूपी-बिहार में होली का महत्व अलग है। फागुन का महीना चढ़ते ही गांव-गांव होली गवाने लगता है। लोग पूरे महीने होली में ढोल झाल मजीरा लेकर बजाते झूमते रहते है. राजनीतिक पार्टियां भी जगह-जगह होली मिलन समारोह का आयोजन करती है। डॉ शकुंतला यादव ने कहा कि होली आपसी प्रेम, भाईचारा और सौहार्द का त्योहार है। इस त्योहार को बिना किसी भेदभाव के मनाना चाहिए। किसी प्रकार का हुड़दंग नहीं करना चाहिए और न किसी को जबरन रंग लगाना चाहिए। होली हमें देश की सभ्यता और संस्कृति का भी संदेश देता है। डॉ. समर बहादुर सिंह ने कहा कि यह त्योहार एकता का संदेश देता है। हम सभी को रंगों की तरह ही आपस में मिलजुल कर रहना चाहिए। डॉ. अजय कुमार दूबे ने कहा कि हमे होली का पर्व सबसे मिलकर और बिना की नुकसान के साथ प्राकृतिक रंगों के साथ मनाये हानिकारक केमिकल्स युक्त रंगों से दूर रहे ! संरक्षक रीता जायसवाल ने कहा कि होली मिलन समारोह हो महिलाएं भाग ना ले ऐसा हो नहीं सकता। महिलाओं की टोली ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया और एक दूसरे से रंग अबीर लगा कर बधाई दी। साथ ही होली के गीत पर खूब ठुमके लगाए। ट्रस्ट परिवार के द्वारा सभी को अंत में उपहार देकर होली के लिए बधाई दिया गया ! कार्यक्रम का संचालन सागर सोलंकी ने और आभार राधिका सिंह ने किया। कार्यक्रम में पूनम सिंह अर्चना सिंह, सरोज गुप्ता, शिवांगी खरे,कनक सिंह, डॉ साधना मौर्य, सीमा गुप्ता,दीपक श्रीवास्तव, स्वप्निल श्रीवास्तव, रेनू अग्रहरि, किरन किन्नर, ट्रस्ट परिवार के सभी सदस्यों के साथ नीरज शाह, रामजी सिंह, सुधांशु विश्वकर्मा, अंजनी मिश्रा, पत्रकार बंधु भी उपस्थित रहे।

राजातालाब में आकर्षण का केंद्र बना 30 फीट ऊंची मूर्ति की रूप में अनोखी होलिका

चौतरफा फूल मालाओ व झालर बत्तियों से किया गया मनमोहक भव्य सजावट

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के राजातालाब कचनार स्थित जंसा राजातालाब रोड के किनारे विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नवयुवक संघ द्वारा द्वारा भगवान विष्णु के परम भक्त प्रहलाद की मूर्ति गोद में रखी हुई 30 फीट ऊंची मूर्ति के रूप में अनोखी होलिका स्थापित की गयी। यह होलिका मुखौटा के साथ कपड़ा पहनाकर उसके गोद में प्रहलाद की मूर्ति बनाई गई है जो आकर्षण का केंद्र तथा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। होलिका के चारों तरफ फूल मालाओं तथा रंग बिरंगे झालर से भव्य सजावट की गयी। नवयुवक संघ के अध्यक्ष प्रमोद कुमार चौहान ने बताया कि बसंत पंचमी को होलिका स्थापना किया गया था जिसका अंतिम रूप देने में लगभग 20 दिन लग गया। परंपरानुसार होलिका दहन वाले दिन शाम को विधिवत हवन पूजन के बाद होलिका दहन किया जाता है ।इसके अलावा मोहन सराय हाईवे स्थित चौराहे पर गांव के युवाओं द्वारा गोबर से बने उपली (गोहरी) से लगभग 10 फुट की ऊंचाई में प्रहलाद की मूर्ति के साथ होलिका स्थापित किया गया।

प्रजापति सेवा संघ द्वारा होली मिलन व वर वधू सम्मेलन संपन्न

जौनपुर की भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने लिया भाग

मुंबई (उत्तरशक्ति)।प्रजापति सेवा संघ मुंबई (रजि.) द्वारा आयोजित वर-वधू सम्मेलन एवं होली मिलन समारोह मुंबई में अत्यंत हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम समाज की एकता, संगठन एवं सांस्कृतिक समरसता का प्रेरणादायी उदाहरण बना।

इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में परम श्रद्धेय उज्जैन गुरु महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही, साथ ही अजीत प्रजापति, संजीव प्रजापति, प्रशांत त्रिपाठी, भोजपुरी कलाकार हर्षित एवं प्रिया पांडे की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

समारोह में समाज के अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही, जिनमें प्रजापति समाज मुंबई के अध्यक्ष राम जनम एवं धर्मराज तथा उनकी टीम, सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय एवं उनकी टीम, तथा अखिल प्रजापति कुम्भकार समाज के अध्यक्ष रमेश एवं उनकी समस्त टीम विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे। कार्यक्रम की सफलता में संस्थापक रवि प्रजापति, राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद प्रजापति, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भोला शंकर प्रजापति, उप महासचिव जंगलाल प्रजापति, वर-वधू अध्यक्ष रामसूरत प्रजापति, उप सलाहकार रमेश एम. प्रजापति, मुंबई जिला अध्यक्ष स्वदेश प्रजापति, कोषाध्यक्ष बांकेलाल प्रजापति, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष जयप्रकाश प्रजापति, मंडल अध्यक्ष मंगला प्रसाद प्रजापति, संयोजक ईश्वर चंद्र प्रजापति, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार प्रजापति, जिला प्रभारी बेचू लाल प्रजापति, उप महासचिव तीरथ प्रजापति, संयोजक मुकेश प्रजापति, राष्ट्रीय संयोजक शिव शंकर प्रजापति, राष्ट्रीय संयोजक लौटन प्रजापति, जिला अध्यक्ष महेंद्र प्रजापति, सलाहकार राम मूरत प्रजापति, संयोजक मोहन प्रजापति, उप कोषाध्यक्ष विजय कुमार प्रजापति, संयोजक प्रेमचंद प्रजापति, जौनपुर जिला अध्यक्ष श्री मोहन प्रजापति, संयोजक श्री संजीव प्रजापति एवं संतराम प्रजापति सहित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा।

संघ की संपूर्ण आयोजन समिति एवं कर्मठ कार्यकताओं ने दिन-रात अथक परिश्रम कर इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं सफल बनाया।

प्रजापति सेवा संघ मुंबई (रजि.) परिवार समस्त समाजबंधुओं, सहयोगकताओं एवं अतिथिगणों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता है। आप सभी का स्नेह एवं सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।

होली तथा रमजान के अवसर पर जिलाधिकारी दी शुभकामनाएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।होली के पावन पर्व पर तथा पवित्र रमजान माह के अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके सुख, शांति और समृद्धि की कामना की है। उन्होंने कहा कि होली रंगों, उमंग और आपसी भाईचारे का प्रतीक पर्व है, जिसे प्रेम, सद्भाव और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया जाना चाहिए। जिलाधिकारी ने अपने संदेश में कहा कि होली बसंत ऋतु का महत्वपूर्ण पर्व है। राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व बसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग इसके प्रमुख अंग है। अतः रंगो के इस पवित्र पर्व होली आपके जीवन में सुख, शान्ति एवं समृद्धि लेकर आए एवं सामाजिक स?द्भाव, प्रेम और उल्लास को और अधिक सशक्त बनाए। होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सामुदायिक समरसता का भी प्रतीक है। यह पर्व हमें आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने सभी से अपील की कि होली और रमजान माह के दृष्टिगत जनपद में शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखे तथा पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। डीजे या ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग निर्धारित मानकों के अनुरूप ही करें। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को सुरक्षित ढंग से होली खेलने के लिए प्रेरित करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की कडी नजर रहेगी और शांति व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने फरवरी 2026 में 5 .67 लाख यूनिट बिक्री के साथ मजबूत वृद्धि दर्ज की

मुंबई/गुरुग्राम। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने फरवरी 2026 में कुल 5,67,351 यूनिट की बिक्री दर्ज की। इसमें 5,13,190 यूनिट घरेलू बाजार में और 54,161 यूनिट निर्यात के रूप में शामिल हैं। कंपनी ने फरवरी 2025 की तुलना में 34% की सालाना वृद्धि दर्ज की। यह प्रदर्शन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एचएमएसआई के उत्पाद पोर्टफोलियो की मजबूत मांग को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से फरवरी 2026) की वर्ष-से-तारीख अवधि के दौरान, एचएमएसआई ने कुल 58,20,556 यूनिट की बिक्री दर्ज की। इसमें 52,37,169 यूनिट घरेलू बिक्री और 5,83,387 यूनिट निर्यात शामिल हैं।

सड़क सुरक्षाः सबके लिए सुरक्षा के अपने विजन के अनुरूप, एचएमएसआई ने अजमेर, पुणे, नासिक, नारनौल, वडोदरा, हिसार, गोरखपुर, कटिहार, औरंगाबाद, मैंगलोर, छिंदवाड़ा और कोच्चि सहित देशभर के विभिन्न शहरों में सड़क सुरक्षा अभियान आयोजित किए। इन पहलों के माध्यम से जिम्मेदार राइडिंग व्यवहार को बढ़ावा दिया गया और सुरक्षित सड़कों के लिए सामुदायिक जागरूकता को मजबूत किया गया। एचएमएसआई ने ग्वालियर, कोच्चि, आगरा और मदुरै में सड़क सुरक्षा सम्मेलनों का भी आयोजन किया, जिसमें प्राचार्यों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी रही। इसका उद्देश्य बच्चों में कम उम्र से ही सुरक्षित सड़क व्यवहार की आदत विकसित करना था। साथ ही, एचएमएसआई ने चेन्नई और जयपुर स्थित अपने ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्कों की वर्षगांठ मनाई, जो राइडर शिक्षा और सुरक्षित राइडिंग व्यवहार को बढ़ावा देने की उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पं. संगठा प्रसाद तिवारी के आवास पर शत चण्डी पाठ का आयोजन

- प्रेम चंद मिश्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर ग्राम मलसिल पोस्ट मेंहदी निवासी पंडित संकटा प्रसाद तिवारी के आवास पर शत चण्डी पाठ का आयोजन 27 फरवरी 2026 दिन शुक्रवार से प्रारम्भ होकर 5 मार्च 2026 गुरुवार अखण्ड रामायण पाठ प्रारंभ होकर 6 मार्च को पूणार्हुति के साथ हवन पूजन किया जाएगा सांयकाल प्रीतिभोज का आयोजन किया गया है। शत चंण्डी पाठ अजोसी महावीर धाम जौनपुर के प्रख्यात पंडित चंद्रबदन मिश्रा के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें कई महान पंडितों के माध्यम से हो रहा है ।यह आयोजन मां अमृता रामशिरोमणि तिवारी (प्रबंधक), राकेश तिवारी मिल्लू (प्रधानाचार्य), श्रीमती प्रीति डाली राकेश तिवारी (अध्यापिका) , राजेश तिवारी (अध्यापक), वेदप्रकाश तिवारी, अवनीश तिवारी, आलोक तिवारी, अंश तिवारी, राम अछैबर तिवारी, राम बूझारत तिवारी एवं समस्त तिवारी परिवार के तरफ से रखा गया। सभी भक्तजनों से निवेदन है कि ठीक समय पर पधार कर कार्यक्रम को सफल बनाएं। उस शुभ अवसर पर रोहियांव से विजय चंद मिश्रा (जीवन बीमा निगम सलाहकार), महेश दुबे, श्रीमती प्रमिला महेश दुबे, श्रीमती उर्मिला मिश्रा, अवनीश मिश्रा, द्विवेश मिश्रा, सौरभ दुबे, गौरव दुबे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित हो कर कार्यक्रम को सफल बना रहे हैं। यह जानकारी पत्रकार विष्णुकांत मिश्रा ने दी है।

सरकारी वकील विनोद पाठक हुए सम्मानित

-सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। हनुमान मन्दिर मछहा बरबटा छानबे मीरजापुर के वार्षिकोत्सव समारोह के अवसर पर सरकारी वकील विनोद पाठक को अंगवस्त्र एवं हनुमानजी की फोटो देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान अवादा पावर कारपोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री रीता बहुगुणा जोशी के हाथों दिया गया। सरकारी वकील विनोद पाठक ने कहा कि हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में उन्हें संचालन करने का अवसर मिला। इसके अलावा महामंडलेश्वर 1008 अनुराग पुरी जी महाराज का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करने का भी सुवसर मिला। बता दें कि विनोद पाठक सोनभद्र में प्रथम अपरजनपद एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में सरकारी वकील हैं। इस सम्मान के लिए वकीलों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष जाहिर करते हुए अपनी शुभकामनाएं दीं हैं।

पारंपरिक होलिका दहन स्थल की नीलामी अत्यंत निंदनीय

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। फायर स्टेशन हनुमान मंदिर के पास का यह खेल का मैदान, जहाँ पिछले लगभग चार दशकों से होलिका दहन का पावन कार्यक्रम होता चला आ रहा था, परंतु इस वर्ष यहां होलिका दहन नहीं हो सका। कारण यह कि जमीन किसी और की और नीलामी कर दिया नगर पंचायत चेयरमैन ने और फिर कब्जा करा दिया ठेकेदार को और उसने लगा लिया अपना तम्बू और छोड़ दिया वर्षो के लिए यह सिर्फ एक जमीन का टुकड़ा नहीं है, यह हमारी आस्था, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है ।यहाँ बच्चे खेलते थे, सामाजिक कार्यक्रम होते थे और वर्षों से चली आ रही सांस्कृतिक परंपरा का निर्वहन होता था। आज वही मैदान केवल व्यावसायिक गतिविधियों तक सीमित कर दिया गया है। यह निर्णय स्थानीय जनता की भावनाओं की अनदेखी है। किसी भी जनप्रतिनिधि का दायित्व होता है कि वह जनता की परंपराओं, धार्मिक आस्थाओं और सामाजिक मूल्यों का सम्मान करे, न कि उन्हें समाप्त करने की दिशा में कदम उठाए। वही दूसरी तरह आज चंद्र ग्रहण काल में तमाम कार्य वर्जित होने के बावजूद नई परम्परा शुरू कर सरकारी धन का अपव्यय करते हुए डी.जे. लगाकर यात्रा निकाली गयी है जिसमें जनसहभागिता शून्य रही है।

महात्मा फुले शिक्षण संस्था धारावी के ट्रस्टी कोषाध्यक्ष व स्पैरो शेल्टर एन जी ओ रजि . के अध्यक्ष प्रमोद माने का जन्म दिवस विद्यालय प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उक्त अवसर पर शिक्षण संस्था के अध्यक्ष पूर्व विधायक बाबुराव माने, माध्यमिक विभाग की मुख्याध्यापिका स्वाती होलमुखे, प्राथमिक विभाग की मुख्याध्यापिका श्रद्धा माने, वरिष्ठ शिक्षक बालगोविंद तिवारी मौजूद रहे।

मधुपुर में पत्रकारों के साथ धूमधाम से मनाया गया होली मिलन समारोह

मधुपुर,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)।आज मधुपुर में पत्रकार बंधुओं के बीच होली का त्योहार बड़े ही स्नेह और उल्लास के साथ मनाया गया। संयोजक बृजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस होली मिलन समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से आए पत्रकारों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की खुशियां बांटीं और आपसी भाईचारे को मजबूत किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पत्रकारों ने पारंपरिक तरीके से होली खेली। संयोजक बृजेश कुमार सिंह ने सबको कबीर (अबीर-गुलाल) लगाकर स्वागत किया और होली के पावन अवसर पर शुभकामनाएं दीं। यह समारोह स्नेह, एकता और त्योहार की भावना को बढ़ावा देने वाला साबित हुआ। इस अवसर पर भानु प्रताप, पूर्वांचल मीडिया क्लब अध्यक्ष विवेक कुमार पाण्डेय, कन्हैया लाल यादव, आलोक पति तिवारी, अमित कुमार सिंह, राम जी गुप्ता. पत्रकार बृजेश कुमार सिंह, बलवंत सिंह, जयनाथ मौर्य, शिवदास वर्मा, अभिषेक कुमार, बलिराम मौर्य, नसीम अंसारी, अनिल कुमार, विशाल कुमार मौर्य, बृजेश कुमार मौर्य, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, मुकेश द्विवेदी, रवि मौर्य, रिषभ जायसवाल, गुड्डू चौहान, अभीनव सहित सुकृत पुलिस चौकी प्रभारी रविकांत मिश्र व हेड कांस्टेबल भरत यादव, कांस्टेबल अखिलेश वर्मा व उनकी टीम तथा अन्य कई पत्रकार बंधु मौजूद रहे। सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया। यह होली मिलन समारोह पत्रकार समुदाय के बीच आपसी सद्भाव और मित्रता को मजबूत करने का एक सुंदर माध्यम बना। उपस्थित सभी लोगों ने ऐसे आयोजनों की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की कामना की। होली की रंगों से रंगीन यह शाम मधुपुर के पत्रकार जगत के लिए यादगार बन गई।

दयाल ऑप्टिकल्स ने मुंबई में अपना सबसे बड़ा स्टोर खोला

मुंबई। ऑप्टिकल रिटेल स्पेस में एक भरोसेमंद नाम, दयाल ऑप्टिकल्स ने मुंबई के काला घोड़ा में अपने नए स्टोर के लॉन्च की घोषणा की है, जो ब्रांड की विस्तार स्ट्रेटेजी और शहर के सबसे मशहूर कल्चरल और कमर्शियल डिस्ट्रिक्ट में से एक में इसकी एंट्री में एक अहम कदम है। काला घोड़ा आउटलेट दयाल ऑप्टिकल्स की मुंबई में एंट्री को दिखाता है और यह ब्रांड का अब तक का सबसे बड़ा रिटेल फॉर्मेट है। एक कॉम्प्रिहेंसिव आई-केयर डेस्टिनेशन के तौर पर डिजाइन किया गया, यह बुटीक एक ही छत के नीचे एडवांस्ड आई टेस्टिंग, ध्यान से तैयार किया गया आईवियर पोर्टफोलियो और प्रोफेशनल कंसल्टेशन लाता है। खान मार्केट की तरह ही, काला घोड़ा भी विरासत, संस्कृति और मॉडर्न शहरी ज़िंदगी का एक मिलन बिंदु है, जो इसे ब्रांड के लिए एक स्वाभाविक अगला चैप्टर बनाता है। पिछले कुछ सालों में, दयाल ऑप्टिकल्स दिल्ली-NCR इलाके में लगातार बढ़ा है, और नई दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा में खास जगहों पर 17 से ज्यादा बुटीक चला रहा है। खान मार्केट में जो शुरू हुआ, वह भरोसे, क्लिनिकल सटीकता और लंबे समय तक चलने वाले कस्टमर रिश्तों पर बने नेटवर्क में बदल गया। मुंबई में लॉन्च होना नॉर्थ से आगे एक सोच-समझकर किए गए विस्तार का संकेत है, जो उन्हीं मूल्यों पर आधारित है जिनसे ब्रांड को उसके शुरूआती दिनों से पहचाना जाता था। लॉन्च इवेंट में कई सितारे मौजूद थे, जिसमें हरभजन सिंह, गीता बसरा, अंगद बेदी और संगीता बिजलानी जैसे सेलिब्रिटी शामिल हुए, जिसमें एक ग्रेज़िंग टेबल, लाइव जेलाटो, शैंपेन और एक DIY परफ़्यूम बार था। लॉन्च पर बात करते हुए, दयाल ऑप्टिकल्स के डायरेक्टर, सर्वेश कालरा ने कहाः हमारी यात्रा खान मार्केट से शुरू हुई थी – एक ऐसी जगह जो भरोसे, एक जैसापन और शांत बेहतरीन काम की मांग करती है। काला घोड़ा भी ऐसी ही भावना रखता है। इस बुटीक के साथ, हम दयाल ऑप्टिकल्स का तरीका मुंबई में ला रहे हैंः प्रोफेशनल आई केयर, खास तौर पर तैयार आईवियर, और ऐसी सर्विस जो जल्दी होने वाले लेन-देन के बजाय लंबे समय के रिश्तों को महत्व देती है। ह्लहम यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि मुंबई हमारे लिए क्या लेकर आया है। साथ ही, हम इस बात में योगदान देने के लिए भी उत्सुक हैं कि शहर फैशन और लग्जरी आईवियर को कैसे अनुभव करता है और समझता है – सिर्फ. एक काम की जरूरत के तौर पर नहीं, बल्कि पर्सनल स्टाइल और खुद को दिखाने के एक जरूरी हिस्से के तौर पर। हमारे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए मुंबई से पहले ही जबरदस्त सपोर्ट मिलने के बाद, हम अब यहाँ एक अच्छी फि ज़िकल मौजूदगी बनाने के लिए खास तौर पर उत्साहित हैं।

लखनऊ में बर्थडे पार्टी में फायरिंग से 12 वर्षीय छात्र की मौत

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। कृष्णानगर थाना क्षेत्र के एलडीए मोड़ स्थित एक घर में आयोजित बर्थडे पार्टी के दौरान चली गोली से 12 वर्षीय छात्र उनैज की मौत हो गई। यह पार्टी पूर्व एमएलसी गुड्डू त्रिपाठी के भतीजे की बताई जा रही है। मामले में पूर्व एमएलसी के भाई-भतीजे समेत 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पिता की तहरीर पर केस दर्ज

मृतक उनैज के पिता जमीर खान ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे को तीन नाबालिग दोस्त और ड्राइवर सोमवार दोपहर करीब 3:30 बजे घर से ले गए थे। शाम लगभग 7:21 बजे संजीव त्रिपाठी ने व्हाट्सएप कॉल कर परिवार को लोकबंधु अस्पताल बुलाया। पिता का आरोप है कि फोन पर उन्हें धमकाया भी गया।

जमीर खान की शिकायत पर कृष्णानगर थाने में संजीव त्रिपाठी, उनकी पत्नी, ड्राइवर और तीन नाबालिगों सहित कुल 6 लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अस्पताल में नहीं दिखाया गया बच्चा

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने पर उन्हें बच्चे से मिलने नहीं दिया गया। बाद में पुलिस ने शव दिखाया, जिसके माथे के बीच गोली लगी थी। पिता ने आशंका जताई है कि उनके बेटे की साजिशन हत्या की गई है।

इलाके में तनाव, भारी पुलिस बल तैनात

घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। उनैज का शव पोस्टमार्टम के बाद जब बेहसा स्थित घर पहुंचा तो बड़ी संख्या में लोग जुट गए और नारेबाजी करने लगे। स्थिति को देखते हुए कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात की गई। शाम करीब 5 बजे उनैज को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। इस दौरान आरके चौधरी भी बेहसा पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तेलियाबाग में दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान टला

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के चेतगंज थाना क्षेत्र के तेलियाबाग इलाके में बुधवार को एक दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं, जिससे आसपास के दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने एहतियातन आसपास का क्षेत्र खाली कराया, जबकि दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग से दुकान में रखा कुछ सामान जलकर राख हो गया, हालांकि समय रहते कार्रवाई होने से बड़े नुकसान और जनहानि से बचाव हो गया। मामले की जांच की जा रही है।

ओडिसी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ने फरवरी में 1,127 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

मुंबई। भारत की तेजी से उभरती प्रीमियम इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर निमार्ता कंपनी ओडिसी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ने फरवरी 2026 में कुल 1,127 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है। यह फरवरी 2025 में बेची गई 312 यूनिट्स के मुकाबले 261% की मजबूत सालाना वृद्धि दशार्ती है। यह शानदार प्रदर्शन देश के तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में कंपनी की तेज होती रफ्तार को रेखांकित करता है, जहां उपभोक्ता अब टिकाऊ और किफायती मोबिलिटी विकल्पों को प्राथमिकता दे रहे हैं। फरवरी 2026 की यह उल्लेखनीय वृद्धि ओडिसी इलेक्ट्रिक द्वारा अपने डीलरशिप नेटवर्क के विस्तार, उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने, प्रमुख बाजारों में आफ्टर-सेल्स सर्विस को मजबूत करने और रणनीतिक 'फ्लीट' साझेदारियों पर केंद्रित प्रयासों का परिणाम है। कंपनी के हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर और कम्यूटर-फोकस्ड मॉडल्स को शहरी और अर्ध-शहरी बाजारों में खुदरा ग्राहकों और फ्लीट ऑपरेटरों, दोनों से ही सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इस प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, ओडिसी इलेक्ट्रिक के सीईओ श्री नेमिन वोरा ने कहाः फरवरी में साल-दर-साल 261% की वृद्धि हमारी उत्पाद रणनीति और बाजार विस्तार की दिशा में की गई पहलों की एक मजबूत पुष्टि है। जैसे-जैसे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की मांग बढ़ रही है, हम अपने नेटवर्क को और मजबूत करने, ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने और भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुकूल नवाचारपूर्ण उत्पाद पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कंपनी रणनीतिक क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी को और गहरा करने, सप्लाई चेन की दक्षता बढ़ाने और सर्विस इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी, ताकि ग्राहकों को एक निर्बाध ओनरशिप अनुभव मिल सके। बढ़ती पर्यावरणीय जागरूकता और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मिल रहे अनुकूल नीतिगत समर्थन के साथ, ओडिसी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स आने वाले महीनों में इस क्षेत्र में होने वाली और अधिक बढ़ोतरी का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सड़क पर कचरा फेंकते पकड़े गए तो सीधे 1 लाख का जुमार्ना!

नेशनल डेस्कः पश्चिम बंगाल के बलूरघाट शहर में अब सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना बेहद महंगा साबित हो सकता है। Balurghat Municipality ने स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए बड़ा निर्णय लिया है। नए नियम के तहत सड़क, फुटपाथ या खुले स्थान पर कचरा फेंकते पकड़े जाने पर ?1,000 से लेकर ?1 लाख तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। नगर निकाय ने हाल ही में हुई बैठक में यह फैसला लिया, जिसमें शहर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था और नागरिकों की शिकायतों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों का कहना है कि बार-बार चेतावनी के बावजूद कुछ लोग सार्वजनिक स्थानों पर रैपर, प्लास्टिक बोतलें और अन्य कचरा फेंक रहे हैं, जिससे गंदगी और बदबू फैल रही है। नगर निगम अब शहर के प्रमुख इलाकों और संवेदनशील स्थानों पर उउळश कैमरे लगा रहा है। कैमरों की मदद से उल्लंघन करने वालों की पहचान की जाएगी और संबंधित टीम सीधे उनके घर जाकर जुमार्ना वसूलेगी। अधिकारियों का साफ कहना है कि इस बार नियमों को लेकर किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी। स्थानीय निवासियों ने इस फैसले का स्वागत किया है। उनका मानना है कि कड़ी निगरानी और भारी जुमार्ने के डर से लोग सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने से पहले जरूर सोचेंगे। लंबे समय से बदबू और गंदगी से परेशान लोगों को उम्मीद है कि यह कदम शहर को साफ-सुथरा बनाने में कारगर साबित होगा। नगर निगम का कहना है कि यह पहल स्वच्छता अभियान को मजबूती देने और शहर को बेहतर बनाने की दिशा में अहम कदम है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जिम्मेदार व्यवहार करें और शहर को स्वच्छ रखने में सहयोग दें।

सैमसंग ने लॉन्च किया कॉम्पैक्ट 60W पावर अडैप्टर

मुंबई। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपने नए 60ह पावर अडैप्टर की उपलब्धता की घोषणा की है। यह अडैप्टर बिजली की बबार्दी और चार्जरों के झंझट को कम करते हुए कई तरह के डिवाइस को तेजी से चार्ज करता है। चाहे आप स्मार्टफोन, लैपटॉप या ईयरबड्स चार्ज कर रहे हों, यह घर पर या यात्रा के दौरान रोजमर्रा की चार्जिंग जरूरतों के लिए एक अधिक ऊर्जा-कुशल समाधान है। छोटे आकार में ज्यादा पावरः यह कॉम्पैक्ट चार्जर अगली पीढ़ी की गैलियम नाइट्राइड तकनीक पर आधारित है, जिसने भारी-भरकम सिलिकॉन पार्ट्स की जगह ले ली है। इससे चार्जर का आकार छोटा रहता है, लेकिन पावर एफिशिएंसी (कार्यक्षमता) ज्यादा मिलती है। इस अडैप्टर को सुरक्षित और ठंडा रहने के लिए डिजाइन किया गया है, जो ऑपरेशन के दौरान ऊर्जा के नुकसान को घटाता है और ओवरहीटिंग के जोखिम को कम करता है। सामान्य अडैप्टर की तुलना में यह उत्पाद की उम्र बढ़ाने में भी मदद करता है। स्टैंडबाय में बेहद कम बिजली खपतः नया अडैप्टर केवल 0.005W की कम स्टैंडबाय पावर का उपयोग करता है। इसका मतलब है कि जब चार्जर प्लग में लगा हो और डिवाइस चार्ज न हो रहा हो, तब भी बिजली की बबार्दी न के बराबर होती है। इससे यूजर के व्यवहार में बदलाव किए बिना ही ऊर्जा की बचत होती है।